सांध्य दैनिक
RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्र.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 16 अंक - 21 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, सोमवार 04 नवंबर 2024 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

विकास की रफ्तार ने बुलेट ट्रेन को पछाड़ा

साय सरकार के 10 महीनों में हुए क्रांतिकारी फैसले, बदलने लगी छत्तीसगढ़ की शक्ल-सूरत

श्रीकंचनपथ न्यूज़ डेस्क

रायपुर। महज 10 माह के कार्यकाल में विष्णुदेव साय की अगुवाई वाली सरकार ने इतिहास रच दिया है। राज्य के विकास को बुलेट ट्रेन से भी तेज रफ्तार मिली है। सरकार के क्रांतिकारी फैसलों से राज्य की शक्ल और सूरत बदलने जा रही है। खासतौर पर पब्लिक ट्रांसपोर्ट को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कई कार्य किए जा रहे हैं। एक ओर जहां धमतरी-जगदलपुर मार्ग फोरलेन बनेगा, वहीं नवा रायपुर में जल्द ही ट्रेनों की आवाज सुनाई देगी। केंद्र सरकार की मदद से राज्य सरकार सड़कों के चौड़ीकरण और हाइवेज पर फोकस कर रही है।

नवा रायपुर में सेंट्रल बिजनेस डिस्ट्रिक्ट एरिया (सीबीडी) रेलवे स्टेशन बनकर तैयार हो गया है। यह प्रदेश का ऐसा पहला रेलवे स्टेशन है, जिसमें शॉपिंग कॉम्प्लेक्स भी बनाया गया है। यानी स्टेशन के ऊपरी हिस्से में बाजार लगेगा और नीचे ट्रेन दौड़ेगी। एनआरडीए व रेलवे में एमओयू के साथ ट्रेन का परिचालन शुरू हो जाएगा। ट्रेन शुरू होने के बाद नवा रायपुर अटल नगर से अन्य शहरों की कनेक्टिविटी हो जाएगी। स्टेशन को बनाने में लगभग 75 करोड़ रुपए खर्च किए गए हैं। इस स्टेशन के आस-पास 5.3 किलोमीटर में स्मार्ट सड़क, दूसरे इन्फ्रास्ट्रक्चर 35.25 करोड़ की लागत से तैयार किए गए हैं।

छत्तीसगढ़ में आने वाले समय में लगभग 12 हजार करोड़ रुपए की सड़कों का निर्माण होगा। केंद्र सरकार ने इन सड़कों को बनाने के लिए राशि मंजूर कर दी है। इस राशि से चार प्रमुख राष्ट्रीय राजमार्गों का विकास किया जाएगा, जो राज्य की कनेक्टिविटी को और मजबूत करेगा। इसके अलावा केंद्रीय सड़क निधि के तहत 908 करोड़ के आठ कार्यों को स्वीकृति मिल चुकी है। जिन सड़कों का निर्माण होना है, उनमें रायपुर-लखनादोन इकोनोमिक कॉरिडोर शामिल है। 105 किलोमीटर की इस सड़क को बनाने में 6300 करोड़ रूपए व्यय होंगे। वहीं उरगा-कोरबा कटघोरा रिंग रोड़ का निर्माण 1593 करोड़ में तो सारंगढ़ से रायगढ़ रोड का निर्माण 825 करोड़ में होगा। इसी तरह बसना से सारंगढ़ तक सड़क निर्माण के लिए 490 करोड़ रूपए खर्च किए जाएंगे।

फोरलेन के लिए 908 करोड़

केशकाल घाट फोरलेन चौड़ीकरण के लिए सभी अनुमतियां करीब एक महीने में मिल जाएंगी। धमतरी-जगदलपुर मार्ग का फोरलेन चौड़ीकरण भी होगा। इससे दक्षिण छत्तीसगढ़ की कनेक्टिविटी बेहतर होगी। वहीं रायपुर-विशाखापटनम व बिलासपुर-उरगा-पत्थलगांव मार्ग निर्माण के लिए एजेंसी का चयन एक महीने में किया जाएगा। केशकाल घाट व धमतरी-जगदलपुर मार्ग के चार लेन चौड़ीकरण होगा। इसके अलावा एनएचएआई के तहत रायपुर-विशाखापट्टनम एवं बिलासपुर-उरगा-पत्थलगांव मार्ग को तय समय में पूरा कर लिया जाएगा। पत्थलगांव से कुनकुरी-झारखंड बॉर्डर मार्ग को दो माह के भीतर बनकर तैयार हो जाएगा।

सड़कों के लिए 2100 करोड़

बेमेतरा, मुंगेली, राजनांदगांव, जशपुर, बिलासपुर और खैरागढ़ जिलों में 8 राज्य सड़क खंड के विकास कार्य के लिए 900 करोड़ रुपए की स्वीकृति दी गई है। इसके अलावा अन्य सड़कों के विकास के लिए 1200 करोड़ की अतिरिक्त राशि की स्वीकृति मिली है। 12 हजार करोड़ की सड़कें बनने से जहां एक ओर सड़कों पर यातायात सुगम होगा, वहीं यातायात का दबाव भी कम होगा। सीमा क्षेत्र की कनेक्टिविटी को मजबूत होगी। रायपुर में टाटीबंध से तेलीबांधा के बीच सरोना, उद्योग भवन और तेलीबांधा में ग्रेड सेपरेटर बनेगा। वहीं विधानसभा रोड से बिलासपुर रोड (धनेली) और रायपुर-धमतरी मार्ग पर ग्रेड सेपरेटर भी बनेगा।

आज से राज्योत्सव का रंगारंग आगाज

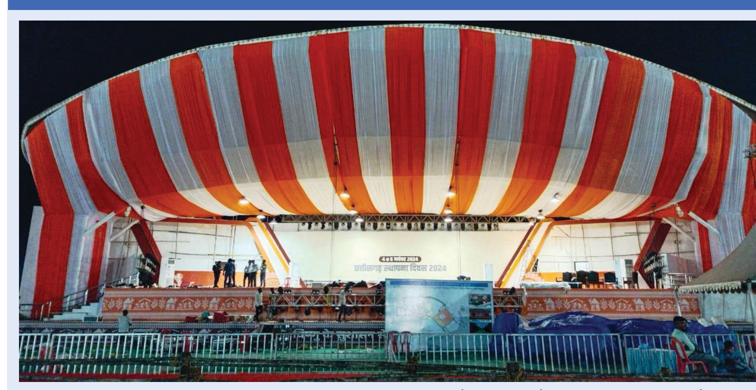

विष्णु सरकार के कार्यकाल के पहले राज्योत्सव का आज से रंगारंग आगाज होने जा रहा है। 6 नवंबर तक चलने वाले तीन दिवसीय राज्योत्सव का उद्घाटन आज शाम 6 बजे मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव करेंगे। समारोह की अध्यक्षता मुख्यमंत्री विष्णु देव साय करेंगे। छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष डा. रमन सिंह कार्यक्रम में अति विशिष्ट अतिथि होंगे। राज्योत्सव में ख्याति प्राप्त कलाकार रंगारंग और मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां देंगे। पांच नवंबर को मुख्य अतिथि राज्यपाल रमेन डेका और छह नवंबर को अलंकरण सम्मान समारोह के मुख्य अतिथि उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ होंगे।

आज पहले दिन विभिन्न सांस्कृतिक आयोजन होंगे। इनमें रिखी क्षत्रीय की टीम द्वारा 12 लोक नृत्य की झलकियां, मोहन चौहान और साथी द्वारा आदिवृंदम, सुनील सोनी और टीम द्वारा क्षेत्रीय नृत्य संगीत तथा विद्या वर्चस्वी द्वारा नाम रामायण की प्रस्तुति दी जाएगी। इसके पश्चात मल्लखंभ (इंडियाज गाट टैलेंट) और फिर बॉलीवुड के प्रसिद्ध पार्श्व गायक शांतनु मुखर्जी (शानु) की प्रस्तुति होगी। शासन प्रशासन की ओर से राज्योत्सव के लिए बीआरटीएस बसों की व्यवस्था की गई है। ये बसें तीनों दिन मेला स्थल तक लोगों के लेकर जाने और वापस लाएंगी।

सभी विभागों द्वारा राज्योत्सव स्थल पर भव्य एवं आकर्षक प्रदर्शनी लगाई गई है। यहां शिल्प ग्राम भी बनाया गया है, जहां छत्तीसगढ़ के विविध शिल्प प्रदर्शन एवं विक्रय के लिए उपलब्ध होंगे। राज्योत्सव स्थल परिसर में शासकीय विभागों की प्रदर्शनी के लिए विशाल हैंगर (डोम) बनाए गए हैं। हैंगर-एक एवं दो में शासकीय विभागों के स्टाल लगाए गए हैं, जबकि हैंगर-तीन में वाणिज्यिक संस्थान अपने उत्पादों की प्रदर्शनी देखी जा सकती है। हैंगर-चार में पब्लिक सेक्टर के संस्थानों की प्रदर्शनी लगी है। राज्योत्सव में शिल्प ग्राम, फूड कोर्ट और मीना बाजार आम लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र होंगे।

खास-खबर

कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने किया छठ घाट का निरीक्षण, तैयारियों और सुविधाओं का लिया जायजा

बलरामपुर रामानुजगंज। बलरामपुर में कृषि मंत्री रामविचार नेताम और भाजपा जिला अध्यक्ष ओमप्रकाश जायसवाल ने बलरामपुर स्थित सिंदूर नदी के छठ घाट का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने घाट की तैयारियों और सुविधाओं का जायजा लिया। कृषि मंत्री ने कहा कि छठ पूजा एक महत्वपूर्ण पर्व है, जिसमें श्रद्धालु नदी या तालाब के किनारे सूर्य देवता की पूजा करते हैं। उन्होंने स्थानीय प्रशासन को निर्देश दिए कि घाट की सफाई और समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की कठिनाई का सामना न करना पड़े। निरीक्षण के दौरान कृषि मंत्री ने घाट पर उचित रोशनी, पानी की व्यवस्था और शौचालय जैसी सुविधाओं की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि इन सुविधाओं से श्रद्धालुओं का अनुभव बेहतर होगा और वे शांतिपूर्ण तरीके से पूजा अर्चना कर सकेंगे। इस मौके पर स्थानीय नेता और कार्यकर्ता भी उपस्थित थे, जिन्होंने मंत्री और जिलाध्यक्ष को घाट की स्थिति के बारे में जानकारी दी। कृषि मंत्री ने आश्वासन दिया कि सरकार श्रद्धालुओं की जरूरतों का ध्यान रखेगी और छठ पूजा को सफल बनाने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाएगी। यह निरीक्षण स्थानीय समुदाय के लिए महत्वपूर्ण है, जिससे छठ पर्व को मनाने में सुगमता और सुविधा मिल सकेगी।

डांस प्रतियोगिता में शामिल होने जा रहे युवक की सड़क हादसे में मौत, तेज रफ्तार ट्रेलर ने चपेट में लिया

कोरबा। कोरबा में उरगा थाना अंतर्गत कुदुरमाल मुख्य मार्ग पर एक तेज रफ्तार ट्रेलर वाहन ने सड़क किनारे खड़े एक युवक को अपनी चपेट में ले लिया जहां उसकी घटना स्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद ट्रेलर का वाहन मौके से फरार हो गया वही देखते ही देखते राहगीरों के भीड़ एकत्रित हो गई। वहीं युवक को जिंदा समझकर अस्पताल लाया गया जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। बताया जा रहा है कि गेवरा बस्ती नराईबोध से माजदा वाहन में सवार होकर लगभग 12 लोग उरगा थाना अंतर्गत भौसमा गांव में होने वाले डांस प्रतियोगिता में शामिल होने जा रहे थे।इस दौरान 20 वर्षीय धीरज पटेल नामक युवक की तबियत खराब हो।गया उल्टी करने लगा माजदा वाहन के चालक ने सड़क किनारे वाहन खड़ा किया और युवक वाहन से नीचे उतर कर सड़क किनारे खड़ा होकर उल्टी कर रहा था इस दौरान पीछे से आ रही ट्रेलर वाहन ने युवक को चपेट में लिया। वही ट्रेलर वहां के चालक मौके से फरार हो गया बताया जा रहा है कि ओवरटेक के चक्कर में यह हादसा हुआ है। फिलहाल इस घटना के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और फरार ट्रेलर चालक की तलाश में जुट गई है।

परिजनों ने बेटी को प्रेमी के साथ पकड़ा, पीट पीटकर मार डाला, जंगल में फेंक दिया शव

■ लंबी जांच के बाद युवती के परिजनों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के जांजगीर चांपा में अपनी प्रेमिका से मिलने गये प्रेमी को युवती के परिजनों ने पीट-पीटकर मार डाला। फिर शव को आरोपियों ने बिलासपुर के पचपेड़ी क्षेत्र के जंगल में फेंक दिया। मृतक युवक बलौदाबाजार जिले के कसडोल थाना क्षेत्र के ग्राम मोतीपुर का रहने वाला था। पुलिस ने मृतक की पहचान टीकाराम केंवट पिता परसराम केंवट के रूप में की है।

पुलिस ने जाँच के दौरान घटना स्थल से कुछ दूरी पर एक मोबाइल और बाइक जब्त की थी। मोबाइल किसी दीपक वर्मा नाम के युवक का है। पुलिस ने दीपक को पकड़ा और उससे पूछताछ की तो उसने घटना के संबंध में खुलासा किया। दीपक ने पुलिस को बताया कि टीकाराम केंवट 2 अक्टूबर शनिवार को अपने दोस्त दीपक वर्मा के साथ बड़े भाई की बाइक से जांजगीर के डिगोरा गांव निवासी प्रेमिका से मिलने के लिए गया था। मुलाकात के दौरान युवती के परिजनों ने दोनों को पकड़ लिया था। जिसके बाद परिजनों ने दोनों की जमकर पिटाई की। इस दौरान टीकाराम को मार खाता देख दीपक वर्मा भी बीच-बचाव के लिए पहुंचा। परिजनों ने उसकी भी बेरहमी से पिटाई कर दी। किसी तरह से दीपक मौके से भागकर अपनी जान बचाई। इस दौरान दीपक का मोबाइल रास्ते में गिर गया था।

पुलिस के मुताबिक, आरोपियों ने टीकाराम की हत्या के बाद उसके शव को पचपेड़ी क्षेत्र के चिल्हाटी स्थित भरारी जंगल में फेंक दिये थे। फिलहाल, पुलिस ने दीपक से हुई पूछताछ के बाद युवती के परिजनों को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपियों में सुखीराम यादव 54 वर्ष निवासी मोतीपुर कसडोल, भोजराम यादव 21 वर्ष निवासी मोतीपुर कसडोल, गौरीशंकर यादव 23 वर्ष निवासी मोतीपुर कसडोल, ललित यादव 40 वर्ष निवासी खारी कसडोल, राहुल यादव 19 वर्ष निवासी खारी कसडोल, भागवत यादव 30 वर्ष निवासी डीघोरा मुलमुला शामिल हैं।

उत्तराखंड में बड़ा हादसा; अल्मोड़ा में बस खाई में गिरी, 36 यात्रियों की मौत, कई घायल

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड के अल्मोड़ा में बड़ा सड़क हादसा हुआ है। मार्चुला के पास एक बस खाई में गिर गई है। हादसे में 36 लोगों की मौत हो गई है। जबकि कई लोग घायल हुए हैं। चार घायलों को एयरलिफ्ट भी किया गया है। तीन घायलों को एम्स ऋषिकेश में भर्ती कराया गया है। मौके पर राहत एवं बचाव कार्य चलाया जा रहा है। एसडीआरएफकी टीम मौके पर है।

उत्तराखंड के अल्मोड़ा जिले के मार्चुला इलाके के पास सोमवार को यात्रियों से भरी बस नदी में गिर गई। बस में 55 से ज्यादा यात्री सवार थे। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस-प्रशासन मौके पर पहुंचा। एसएसपी अल्मोड़ा मौके पर पहुंच गए हैं। रेस्क्यू ऑपरेशन के लिए एसडीआरएफकी टीम भी पहुंची हैं। हादसे में 36 लोगों के मारे जाने की पुष्टि हुई है।

बस नैनीडांडा के किनाथ से रामनगर जा रही थी। जैसे ही बस मार्चुला के पास पहुंची तो सारड बैंड के पास नदी में गिर गई। बस के नदी में गिरते ही चीख-पुकार मच गई। कुछ लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कुछ लोग बस से छिटककर नीचे गिर गए। घायल लोगों ने ही जानकारी दूसरों तक पहुंचाई। सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य चलाया। घायलों को अस्पताल ले जाने का काम किया। बस सवार 38 यात्रियों की मौत हो गई। जबकि कई लोग घायल हैं।

40 सीटर बस में सवार थे 55 से ज्यादा यात्री

बस 40 सीटर थी। बस में 55 से ज्यादा यात्री थे। आपदा प्रबंधन अधिकारी अल्मोड़ा विनीत पाल ने बताया कि 36 यात्रियों की मौत हो चुकी है। मरने वालों की संख्या बढ़ सकती है। टीम रेस्क्यू में जुटी है। डीएम देहरादून को भी रेस्क्यू ऑपरेशन की देखरेख के लिए विशेष रूप से वहां भेजा जा रहा है। एसडीआरएफके साथ ही एनडीआरएफकी टीम भी घटना स्थल पर पहुंच गई हैं।रेस्क्यू और बचाव कार्य शुरू कर दिया गया है। आवश्यकता पड़ने पर गंभीर रूप से घायल यात्रियों को एयरलिफ्ट करने के लिए भी निर्देश दिए हैं।

सीएम ने किया मुआवजे क एलान, एआरटीओ प्रवर्तन निलंबित

सीएम पुष्कर सिंह धामी ने पौड़ी और अल्मोड़ा के संबंधित क्षेत्र के एआरटीओ प्रवर्तन को निलंबित करने के निर्देश दिए। सीएम ने मृतक परिजनों को 4-4 लाख रूपये और घायलों को 1-1 लाख रुपये की सहायता राशि देने का निर्देश दिया है। आयुक्त कुमाऊं मंडल को घटना की मजिस्ट्रेट जांच के निर्देश दिए गए हैं। सीएम पुष्कर सिंह धामी ने अल्मोड़ा में बस हादसे पर सचिव आपदा प्रबंधन,आयुक्त कुमाऊं मंडल और डीएम अल्मोड़ा से फोन पर बात कर घटना की जानकारी ली और बचाव और राहत कार्य तेजी से चलाने के निर्देश दिए।

इन नरपिशाचों की सजा क्या हो?

श्रीकंचनपथ

जब से समाज में न्याय की अवधारणा आई है, लोग इस पर बहस करते रहे हैं कि किस जुर्म की क्या सजा होनी चाहिए। पर कुछ जुर्म ऐसे होते हैं जिसपर लोगों का दिमाग काम करना बंद कर देता है। सामूहिक बलात्कार और वीभत्स तरीके से की गई हत्याओं में जन भावना सरेआम फांसी पर लटकाने का समर्थन करती रही है। दिल्ली के निर्भया काण्ड के बाद कई सख्त कानून भी बने पर इसके बाद घटनाओं में कमी आने की बजाय इस तरह की घटनाओं में इजाफा ही हुआ। अब एक घटना चेन्नई से आई है। यहां दीपावली की रात को अमिनजिकराई क्षेत्र के मेहता नगर के एक फ्लैट से एक 15 वर्षीय किशोरी का शव बरामद किया गया। अपार्टमेंट के मालिक ने ही इसकी सूचना पुलिस को दी थी। जिस फ्लैट के बाथरूम से शव बरामद किया गया, उसे किराए पर चढ़ाया गया था। शव के सामान्य परीक्षण से यह बात सामने आई कि उसे कपड़ा प्रेस करने वाली इस्त्री और सुलगती सिगरेट से दागा गया था। इनमें कुछ दाग पुराने तो कुछ नए थे। अर्थात किशोरी के साथ यह अपराध काफी समय से हो रहा था। पूछताछ से यह बात सामने आई की फ्लैट का किराएदार मो। निषाद एवं नासिया ने किशोरी को दिसम्बर 2023 में तंजावुर से लाकर अपने यहां काम पर रखा था। उसपर दंपति के चार वर्षीय बच्चे की देखभाल की जिम्मेदारी थी। किशोरी की विधवा मां उसकी परवरिश करने में असमर्थ थी। घटना के दिन भी किशोरी को गर्म इस्त्री और सिगरेट से दागा गया था जिसके बाद वह बाथरूम में चली गई थी। दंपति उसे उसी स्थिति में छोड़कर अपने रिश्तेदार के यहां चले गए थे। पुलिस ने दंपति को गिरफ्तार करने के साथ ही उनके चार सहयोगियों को भी हिरासत में लिया है। दरअसल, भले ही मनुष्य स्वयं को सभ्यता का झंडाबरदार मानता हो पर उसमें गुलाम रखने की प्रवृत्ति का अभी पूरी तरह शमन नहीं हो पाया है। घरेलू नौकरानियों के प्रति उसका रवैया आज भी सामंतों जैसा ही है। महीने के तीसों दिन काम लेने के बाद भी उसके प्रति उनमें कोई सहानुभूति नहीं होती। विभिन्न निजी एवं सार्वजनिक संस्थानों में भी क्लास-4 स्टाफके प्रति रवैया ऐसा ही होता है। ऐसा नहीं है कि इन लोगों की भावनाएं आहत नहीं होतीं, कि उन्हें गुस्सा नहीं आता। पर अधिकांश मामलों में यह गुस्सा दबा रह जाता है। इसे जब अभिव्यक्ति मिलती है तो लोग दांतों तले उंगलियां दबा लेते हैं। एक ऐसा ही मामला हाल में प्रकाश में आया था जब एक नौकरानी ने लगातार बिना बात की डांट फटकार से चिढ़कर परिवार को अपने मूत्र से सने आटे की रोटियां खिलाना शुरू कर दिया था। उससे भी पहले एक जज को क्लास फोर स्टाफने थूक मिलाकर पानी पिलाया था। ये घटनाएं खूब वायरल हुई थीं। क्या अब भी इंसान को इंसान समझने की हम कोशिश नहीं करेंगे?

संपादकीय

रिपोर्टों के पीछे मकसद क्या है?

ऐसी रिपोर्टें कई दशक से जारी हो रही हैं। अब यह कहने का आधार है कि इनसे गरीबी की ठोस समझ बनाने में कोई मदद नहीं मिली है। इसलिए अब यह सवाल उठाने का वक्त है कि इन रिपोर्टों के पीछे मकसद क्या है?

बीते हफ्ते के आरंभ में वैश्विक गरीबी पर में विश्व बैंक की रिपोर्ट आई। सप्ताहांत में संयुक्त राष्ट्र ने इसी संबंध में अपनी रिपोर्ट जारी की। विश्व बैंक विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) और ऑक्सफॉर्ड यूनिवर्सिटी स्थित ऑक्सफॉर्ड पॉवर्टी एंड ह्यूमन डेवलपमेंट इनिशिएटिव पिछले कई वर्षों से गरीब लोगों की संख्या के बारे में अपना साझा अनुमान जारी कर रहे हैं। अपनी ताजा रिपोर्ट में उन्होंने भारत के बारे में कहा है कि यहां 23 करोड़ 40 लाख लोग चरम गरीबी में जी रहे हैं। विश्व बैंक ने ये संख्या 13 करोड़ 40 लाख बताई थी। ये दोनों आधिकारिक संस्थाएं हैं। इनके अलावा कुछ एनजीओ भी अपना अनुमान जारी करते हैं। उनसे भी अलग संख्या सामने आती है।

ऐसी रिपोर्टें कई दशक से जारी हो रही हैं। इसलिए अब यह कहने का आधार है कि इनसे गरीबी को समझने या उससे लोगों को मुक्ति दिलाने के बारे में कोई ठोस सोच नहीं बनती है। उलटे भ्रम पैदा होता है। इसलिए अब यह सवाल उठाने का वक्त है कि इन रिपोर्टों को तैयार करने के पीछे मकसद क्या है? उद्देश्य दुनिया में गरीबी खत्म करना है, तो फिर ये संस्थाएं न्यूनतम और भ्रामक पैमाने क्यों अपनाती हैं? नव-उदारवादी दौर के पहले एक मान्य फॉर्मूला व्यक्तियों को उपलब्ध कैलोरी होती थी। भारत में गांवों में जिन लोगों को रोजाना 2200 और शहरों में 2100 से कम कैलोरी उपलब्ध थी, उन्हें गरीब समझा गया था।

> इस बात के आधिकारिक आंकड़े हैं कि बहुत से गरीब लोगों ने अपने भोजन में कटौती की है। जबकि शिक्षा एवं इलाज जैसी अनिवार्यताओं पर बढ़े खर्च की गणना खर्च क्षमता में करके विश्व बैंक करोड़ों लोगों को गरीबी रेखा से उठा बता देता है। ऐसी ही विसंगतियां संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट में भी हैं। फिर भी ऐसी रिपोर्टों का सिलसिला जारी है।

अनेक गंभीर अर्थशास्त्रियों दिखाया है कि आज इस कैलोरी उपलब्धता से वंचित लोगों की संख्या तब से ज्यादा है। वजह यह है कि शिक्षा, स्वास्थ्य एवं परिवहन जैसी सेवाओं का निजीकरण होने का बोझ लोगों की निजी आमदनी पर पड़ा है। इस कारण उन्हें अपनी जरूरतों में कटौती करनी पड़ी है। इस बात के आधिकारिक आंकड़े हैं कि बहुत से गरीब लोगों ने अपने भोजन में कटौती की है। जबकि शिक्षा एवं इलाज जैसी अनिवार्यताओं पर बढ़े खर्च की गणना खर्च क्षमता में करके विश्व बैंक करोड़ों लोगों को गरीबी रेखा से उठा बता देता है। ऐसी ही विसंगतियां संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट में भी हैं। फिर भी ऐसी रिपोर्टों का सिलसिला जारी है।

नजरिया

ओटावा के सत्ता-सदन ने पहले कल्पित भारतीय 'एजेंट्स' पर तोहमत मढ़ी। हिन्दुस्तानी विदेश मंत्रालय ने इसका न केवल तार्किक खंडन किया, बल्कि कनाडा से प्रमाण उपलब्ध कराने का आग्रह भी किया। इसका प्रामाणिक उत्तर देने के बजाय उसने भारतीय गृह मंत्री का नाम ही उछाल दिया। इससे सवाल उठ खड़ा हुआ है।

मजबूत भारत उन्हें मंजूर नहीं

शशि शेखर

उस दिन छोटी दीवाली थी। उल्लास के उन खूबसूरत लम्हों में खबर उभरी कि भारत और चीन की सीमाओं पर सालों से डटी सेनाओं की वापसी का काम पूरा हो गया है। शांतिकामियों का मुंह इस जानकारी के बाद खुद-ब-खुद मीठा हो चला था। उनकी खुशी क्षणिक साबित हुई।

कुछ देर बाद स्तब्ध कर देने वाला दूसरा समाचार मिला। कनाडा के उप-विदेश मंत्री डेविड मॉरिसन ने संसदीय समिति को बताया था कि उन्होंने ही एक अमेरिकी समाचारपत्र को यह जानकारी लीक की थी कि कनाडा की भूमि पर हुई कुछ हत्याओं में भारतीय गृह मंत्री की संलिप्तता है। यह राजनय के स्थापित मानकों से एकदम विपरीत था। आम तौर पर ऐसी जानकारियां प्रमाण सहित पहले कूटनीतिक चैनल से संबंधित देश को दी जाती हैं, न कि मीडिया को।

क्या कमाल है? आप संसार के सबसे बड़े लोकतंत्र के सर्वाधिक लोकप्रिय नेताओं में से एक के विरुद्ध खबरें प्लांट करा रहे हैं और उसी संसदीय समिति के सामने आपके पुलिस प्रमुख कह रहे हैं कि इन हत्याओं में किसी का भी हाथ हो सकता है। मतलब साफहै, कनाडा की हुकूमत के पास ठोस साक्ष्य की जगह सिर्फअलगाववादी प्रॉपगैंडा है। इससे पहले कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो भारत पर आरोप लगाते हुए स्पष्ट कर चुके हैं कि मैं यह जानकारी 'इंटेलिजेन्स सोर्सेज' के हवाले से दे रहा हूं। बिना प्रमाण ऐसे आरोप! यह बेशर्मी है या बिला वजह की हेकड़ी? ट्रूडो के विरोधी मानते हैं कि वह जान-बूझकर ऐसा कर रहे हैं, ताकि उन्हें सिखों के वोट मिल सकें। मुट्ठी भर अतिवादियों को यह राग भले रास आता हो, पर वहां बसे अधिकांश सिखों को खालिस्तान से कोई मतलब नहीं।

कनाडाई राजनेता लंबे समय से भारतीय संवेदनाओं पर आघात करते रहे हैं। आपको 23 जून, 1985 का कनिष्क विमान हादसा याद होगा। इस घृणित आतंकवादी वारदात के चलते 329 लोगों को जान गंवानी पड़ी थी। कनाडा ने इस दुर्दमनीय घटना को आज तक अपेक्षित गंभीरता से नहीं लिया। और तो और, इस कांड का प्रमुखतम अभियुक्त तलविंदर सिंह परमार कनाडा में शरण पाने के बाद इतना बेखौफ हो गया था कि वह भारत लौट आया, जहां 1992 में सुरक्षा बलों ने उसे मार गिराया।

आश्चर्य नहीं कि सन् 1973 से 2015 तक कोई भारतीय प्रधानमंत्री द्विपक्षीय वार्ता के लिए कनाडा नहीं गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2014 में सत्ता संभालने के बाद पाकिस्तान सहित तमाम देशों से भारत के रिश्ते सुधारने की पहल की थी। इसी नेकनीयती के तहत वह अगस्त 2015 में कनाडा गए थे। उस दौरे के बाद उम्मीद जताई जा रही थी कि भारत-कनाडा रिश्तों में गर्माहट आएगी। ट्रूडो और उनकी मंडली ने इस भलमनसाहत पर पानी फेर दिया है।

ऐसा नहीं होता, तो कनाडा ने भारत के उच्चायुक्त सहित सात राजनयिकों को बिना किसी खास कारण के निष्कासित न किया होता। इसे कनाडा का शत्रुतापूर्ण रवैया ही तो मानेंगे कि बड़ी संख्या में भारतीय आतंकवादी और अपराधी वहां शरण पाते हैं। यह भी गौरतलब है कि वहां दहशतगर्दों को तो आश्रय मिलता है, परंतु जिन लोगों ने जान जोखिम में डालकर पंजाब में आतंकवाद के दौरान राष्ट्र की अखंडता को सुरक्षित रखा, उनका वहां प्रवेश संभव नहीं। आपको जानकर आश्चर्य होगा कि कनाडा में शरण पाने वाले अलगाववादियों में ईरान और तुर्की के बाद भारतीयों का ही नंबर है।

यही नहीं, इस बार जिस तरह 23 साल से मनाई जाने वाली दीवाली के आयोजन को वहां यकायक रद्द कर दिया गया, वह भी कनाडा के राजनीतिक रवैये को जगजाहिर करता है। कनाडा में सिर्फ हिन्दुस्तानी हिंदू नहीं रहते, पाकिस्तान, बांग्लादेश, फिज्जी और तमाम अन्य देशों से गए हिंदुओं ने वहां पर अपनी रिहाइश बना रखी है। इसके बावजूद पर्याप्त सुबूत और वीडियो होने के बाद भी हिंदू मंदिरों पर हमला करने वाले आक्रामकों से अभी तक सख्ती से निपटा नहीं गया है। कुछ अन्य यूरोपीय मुल्क भी ऐसी लापरवाही के दोषी हैं।

जिनके अपने घर शीशे के हैं, वे भला दूसरों के घरों पर पत्थर कैसे फेंक सकते हैं?

अफसोस इस बात का है कि इस मामले में अमेरिका ने भी उसके सुर में सुर मिला रखा है। क्या यह ताकतवर पश्चिमी देशों की सुनियोजित जुगलबंदी है? इस आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। आखिर क्या वजह है कि जिस दिन भारतीय और चीनी सैनिकों की वापसी संपूर्ण हुई, उसी दिन भारतीय गृह मंत्री पर बेबुनियाद आरोप जड़े गए? इसके लिए योजनाबद्ध तरीके से जमीन तैयार की गई थी। ओटावा के सत्ता-सदन ने पहले कल्पित भारतीय 'एजेंट्स' पर तोहमत मढ़ी। हिन्दुस्तानी विदेश मंत्रालय ने इसका न केवल तार्किक खंडन किया, बल्कि कनाडा से प्रमाण उपलब्ध कराने का आग्रह भी किया। इसका प्रामाणिक उत्तर देने के बजाय उसने भारतीय गृह मंत्री का नाम ही उछाल दिया। इससे सवाल उठ खड़ा हुआ है। क्या कुछ शक्तियों को मजबूत होता भारत और यहां के मजबूत प्रधानमंत्री पसंद नहीं हैं?

इस सवाल का जवाब जानने के लिए हमें शेख हसीना वाजेद के बयान पर पुनः नजर डालनी होगी। शेख हसीना ने तख्ता-पलट से कुछ दिनों पहले कहा था कि मुझे हटाने की साजिश विदेश में रची जा रही है। उन्होंने बाद में अमेरिका का नाम लिए बिना कहा था कि हमसे एक सामरिक महत्व के द्वीप की मांग की गई थी। राष्ट्रहित में जब मैंने मना किया, तो मेरे खिलाफ साजिश रची गई और मुझे जलावतन होना पड़ा। बताने की जरूरत नहीं कि शेख हसीना हमेशा से भारत की मित्र रही हैं। भारत व बांग्लादेश मिल-जुलकर आगे बढ़े और चीन भी मित्रतापूर्ण रवैया अपना ले, तो इस क्षेत्र को गति पकड़ने से कोई नहीं रोक सकता। पश्चिम के कुछ लोगों को यह गवारा नहीं।

अतीत में भी ऐसा हो चुका है। वर्ष 1983 से 1984 के बीच इंदिरा गांधी द्वारा दिए गए बयानों को याद कीजिए। वह अक्सर कहती थीं कि कुछ विदेशी ताकतें भारत को तोड़ने की साजिश रच रही हैं। उनका इशारा तथाकथित खालिस्तान आंदोलन की ओर हुआ करता था। कुछ सिख युवाओं को बरगलाने में तब पाकिस्तानी आईएसआई के अलावा कनाडा और अन्य पश्चिमी देशों में बसे अलगाववादियों का भी हाथ था। इन्हीं लोगों ने जरनैल सिंह भिंडरावाला को भस्मासुर बनाया था। इंदिरा गांधी इस तथ्य को समझती थीं।

यही वजह है कि अपनी हत्या से महज एक दिन पहले भुवनेश्वर की अपनी अंतिम जनसभा में उन्होंने अपने ऊपर हमले की आशंका को जता दिया था। उस समय भी हिन्दुस्तान को अस्थिर करने की साजिश को कदम-दर-कदम 'बिल्ड' किया गया था। क्या संयोग है! जिस दिन गृह मंत्री का कनाडाई संसदीय समिति के समक्ष जिक्र किया गया, उसके अगले दिन इंदिरा गांधी की चालीसवीं पुण्यतिथि थी। उन्होंने जिस अलगाववाद से लड़ते हुए जान गंवाई थी, उसका शुरुआती जाल पश्चिमी मुल्कों में ही बुना गया था।

कहीं ऐसा तो नहीं कि बिना सुबूत भारतीय गृह मंत्री का नाम घसीट लेने के पीछे पश्चिम की उसी पुरानी ग्रंथि का उभार है? यह सही है कि इंदिरा और मोदी के हिन्दुस्तान में बुनियादी फर्क है, पर हमारा रक्तरंजित अतीत चेताता है कि भारतीय सत्ता प्रतिष्ठान और भारतीयों को हर क्षण सजग रहना होगा।

(यह लेखक के अपने विचार हैं।)

जिन पिंग के दिमाग के कोने में भारत की जीरो अंहमियत

हरिशंकर व्यास

भारत के प्रति चीन इंच भर (हां, इंच भर) न नर्म होगा, न पीछे हटेगा। इसका फिर प्रमाण 23 अक्टूबर 2024 की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति शी जिन पिंग की मुलाकात है। वैश्विक राजनीति के परिपेक्ष्य में मुझे भारत के विदेश मंत्री, विदेश सचिव के बयानों से चीन के लचीले बनने की उम्मीद थी। लगा लद्दाख क्षेत्र की सीमा पर चीन अप्रैल 2020 से पूर्व की यथास्थिति लौटा देगा। भारतीय सेना जिस इलाके में पैट्रोलिंग करती थी, वहां वह वापिस करने लगेगी। चीन यदि अपने कब्जाएं 2000 वर्गकिलोमीटर भारतीय क्षेत्र से सैनिक हटाता है, दोनों देशों की सेनाएं आमने-सामने के गतिरोध से पीछे हटती है तो भारत का चीन पर विश्वास बनेगा। दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाला देश तब मन से चीन का दोस्त होगा। और चीन-रूस मिलकर विश्व राजनीति में अपनी जो अलग व्यवस्था बना रहे है उसमें भारत साझेदार या परोक्ष समर्थक होगा। वह सैनिक-सुरक्षा चिंता में अमेरिका-पश्चिमी देशों की और देखना रोक देगा। इससे चीन-रूस के पश्चिमी देशों के खिलाफ शक्ति परीक्षण, नई विश्व व्यवस्था, वित्तिय व्यवस्था के एजेंडे को बल मिलेगा। आखिर 140 करोड़ लोगों की आबादी का देश डालर में लेन-देन के सिस्टम से युआन-रूबल मिक्स करेंसी के एक्सचेंज का आंशिक सहभागी भी बने तो उथल-पुथल होगी।

वास्तविकता है ताईवान को ले कर चीन की अमेरिका से जबरदस्त ठनी हुई है। उसकी आर्थिकी अमेरिका-योरोप की घेरेबंदी से मंदी की मारी है। वह रूस के साथ सैनिक-सामरिक-आर्थिकी की साझेदारी से दुनिया का अछूत हुआ है तो ऐसे में भारत यदि उसके मंसूबों की नई विश्व व्यवस्था में उसका साझेदार या मौन पैरोकार भी बने तो रूस-चीन के झंड़े का दबदबा बढ़ेगा। जब दांव इतने ऊंचे और भविष्य दृष्टि के है तब लद्दाख क्षेत्र के बंजर पठार के 2000 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में चीन अपनी सेना को अप्रैल 2020 की स्थिति में लौटा ले तो नुकसान से ज्यादा उसे फायदा है!

मगर नहीं! चीन की मनोदशा में इंच भर पीछे हटने या झुकने की वृति नहीं है। माओं, चाऊएनलाई, देंग और शी जिन पिंग के समय में बार-बार जाहिर हुई भारत के प्रति हिकारत का उसका रवैया जस का तस है। चीन भारत का वह पड़ौसी है जो धूर्त, स्वार्थी है तो तलवारधारी विश्व व्यापारी भी है। इक्कीसवीं सदी में वह भारत सहित पूरी दुनिया को अपनी वर्चस्ववादी धुरी का पुछल्ला बनाने की जिद्द ठाने हुए है। उसके रोडमैप में अब एक कदम पीछे दो कदम आगे का व्यवहार भी नहीं है। उसे व्यापार और आर्थिकी की रणनीति में भारत को पुछल्ला बनाना ही है।

फिलहाल उसके ताजा इरादों पर गौर करें। एक, चीन ने रूस को अपनी फेंचाइंजी बना लिया है। रूस उस पर आश्रित है। उसका कंधा है। राष्ट्रपति शी जिन पिंग जो कहेंगे वही पुतिन करेंगे। पुतिन कतई शी जिन पिंग को नहीं समझा सकते है। दो, चीन-रूस का एकीकृत मिशन अमेरिका-पश्चिम की केंद्रीकृत धुरी के आगे अपनी नई विश्व व्यवस्था बनाना है। तीन, चीन ने इसके लिए दुनिया भर के छोटे-गरीब देशों को बेइंतहा पैसा दे कर उन्हे अपना मोहताज बनाया है। भारत के सभी पड़ौसी चीन पर आश्रित है। अर्थात वह देशों की संख्यात्मक ताकत बनाते हुए है। चार, भारत, जापान, आस्ट्रेलिया जैसे देशों को चीन ने सैनिक दबाव और व्यापार के दोहरे कारणों से दुविधा, चिंता तथा आयातों की निर्भरता में ऐसा फंसाया है कि भारत के विदेश मंत्री को सार्वजनिक तौर पर यह मजूबरी बतलानी पड़ती है कि यह मुद्दा (व्यापार) जटिल है और इसमें ब्लैक एंड व्हाइट जैसा कुछ नहीं है। पांच, ब्रिक्स की बैठक में नेटो सदस्य तुर्की को न्यौत कर तथा मिस्त्र, इथियोपिया की सदस्यता का अर्थ है कि चीन-रूस ने उत्तर-मध्य एसिया के सभी इस्लामी देशों के अलावा पाकिस्तान से तुर्की तक फैले पूरे पश्चिम एसिया, उत्तर अफ्रिका के उस सभ्यतागत क्षेत्र को अपने प्रभाव में लेने का ब्ल्यूप्रिंट बनाया है जहां इस्लामी देशों (विशेषकर यहूदी इजराइल के परिपेक्ष्य में) की गोलबंदी भविष्य में चीनी सभ्यता का खंभा हो सकती है।

तभी चीन और राष्ट्रपति शी जिन पिंग के दिमाग के कोने में भारत की जीरो अंहमियत है। चीन का थिंकटैंक जानता है 140 लोगों का भारत कभी ईस्टइंडिया कंपनी से चलता था अब अदानी-अंबानी से चलता है। अदानी-अंबानी, कारोबारियों को मैनेज करों, उनका मुनाफा बनवाओं तो अपने आप प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कजाक भागे आएंगे। विदेश मंत्री जयशंकर, विदेश मंत्रालय खुद ही हैडलाइन बना डालेंगे कि भारत और चीन पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर गश्त के पैटर्न को लेकर एक समझौते पर पहुंच चुके हैं। प्रधानमंत्री मोदी कजाक जा कर राष्ट्रपति से मुलाकात कर रहे है। फिर भले हम-आप और दुनिया खोजती रहे कि भारत के सैनिक क्या सचमुच डेपसांग, गलवान, गोगरा, पैंगॉन्ग के नॉर्थ ब्लॉक और कैलाश रेंज में वैसे ही गस्त लगाते हुए है जैसे अप्रैल 2020 से पहले लगा रहे थे?

कांग्रेस फिर एक बार अपनी हार का ठीकरा ईवीएम पर फोड़ने को तैयार

अनिल चतुर्वेदी

कांग्रेस फिर एक बार अपनी हार का ठीकरा ईवीएम पर फोडने को तैयार होती दिख रही है। हरियाणा विधानसभा चुनावों में हार की बजह टटोलने के लिए पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे जो तीन सदस्यीय टीम बनाई उसमें शामिल नेता शायद ऐसा ही जबाव अपने नेता को देने की तैयारी में हैं। यह अलग बात है कि इस फ़ैक्ट्री फ़ाइंडिंग कमेटी में हरियाणा के पूर्व सीएम और इस चुनाव का सारा दारोमदार संभालने वाले भूपेन्द्र सिंह हुड्डा शामिल नहीं किए गए हैं।पर जिन्हें ज़िम्मेदारी दी गई है उनके नाम उजागर भले नहीं किए गए हैं पर कांग्रेसी सूत्र बता रहे हैं कि राजस्थान और छत्तीसगढ़ के जो दो नेता जाँच के लिए हरियाणा भेजे गए उन्हें ज़मीनी स्तर पर लोगों से इस हार के कारणों को टटोलने के निर्देश दिए गए हैं।

पर भला हार की इस निराशा में नेताओं की कितनी हिम्मत रहेगी घर-घर घूम कर हार की बाबत लोगों से पूछने की और सवाल उम्र का भी है सो आराम भी ज़रूरी होगा ही। तभी अगर दिल्ली के कांग्रेसी ही यह कहने लगें कि फ़ैक्ट्री पता करने गए ये दो नेता होटल में ठहर मोबाइल या फिर फ़ोन पर लोगों से बात कुछ पूछने के नाम पर यह पूछ रहे हों कि कि क्या हम ईवीएम की बजह से हारे हैं। तो नेता पर शक तो कोई भी कर ही सकता है ना! तब भला फ़ैक्ट्री फ़ाइंडिंग का मतलब भी क्या रह जाता है। अब भला हरियाणा हार का घूँट तो कांग्रेसी पाकर रह जाएंगे पर चिंता तो बाक़ी उन सूबों की सता रही है जहां हरियाणा हार का असर पड़ता कांग्रेसियों को दिख रहा है। भला होता कि गुटबाज़ी छोड़ कांग्रेसी हरिया जीतते और फिर बाक़ी सूबों में सीना तान कर चुनाव लड़ रहे होते।

हरियाणा में जीत और जम्मू-कश्मीर में बेहतर प्रदर्शन से भाजपा ही नहीं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ उत्साहित हैं। और तभी अब संघ महाराष्ट्र या झारखंड के चुनाव के लिए ही नहीं दिल्ली चुनाव को जीतने की तैयारी में लगा बताया जा रहा है। पिछले दिनों संघ की रणथंभोर में हुई दो दिन की बैठक हुई बैठक से दिल्ली के नेता खुश हैं। यह अलग बात है कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा की लोकसभा चुनावों के दौरान संघ को लेकर बयानबाज़ी से संघ के नेता नाराज़ बताए जा रहे थे पर हरियाणा की जीत ने इस नाखुशी को ख़त्म कर दिया ।चर्चा तो यह भी बताई जा रही है कि भाजपा के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाने को लेकर भी संघ अब दखल देने की जगह खुद को अलग रखे हुए हैं।

भाजपा के ही कुछ नेतो यहाँ कह रहे हैं कि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा की संघ को लेकर बयानबाज़ी के बाद संघ के मोंहन भागवत की नाराजग़ी के बावजूद जानते थे कि उनकी यह नाराजग़ी हरियाणा चुनाव में जीत के बाद ख़त्म हो जाएगी ,और हुआ भी ऐसा ही। संघ के ही एक अदने क़द के नेता तो यह भी कहने नहीं चूके कि संघ जानता है कि मोदी है तो मुमकिन है। ज़ाहिर है कि 2025 में विभिन्न राज्यों में होने जा रहे विधानसभा चुनावों को लेकर संघ तैयारी में लग गया है। बताया तो यह भी जा रहा है कि रणथंभोर में हुईसंघ की मीटिंग में ही दिल्ली चुनाव को लेकर भाजपा विधायकों,सांसदों और प्रांत व विभाग प्रमुखों को चुनावों की तैयारी में लग जाने को कह दिया है। दिल्ली के वरिष्ठ भाजपा विधायक की मानो तो संघ और पार्टी इस बार किसी भी शर्त पर दिल्ली का अपना वनबास ख़त्म करना चाहती है। अब संघ के बूते भाजपा क्या कर गुजरती है देखना बाक़ी है।

श्रीकंचनपथ

भिलाई–दुर्ग

ITR फाईल बनवाएं मात्र 499/-

• TDS रिफंड • GST रजिस्ट्रेशन • इनकम TAX फाइल
• प्रोजेक्ट रिपोर्ट • MSME रजिस्ट्रेशन • GST रिटर्न फाइल
• CMA DATE • फूड लाइसेंस • BALANCE SHEET

हमारे TAX EXPERT आपकी मदद हेतु तैयार हैं

संपर्क : शेखर गुप्ता, मो. 93007-55544, 8878655544
D-6 सेक्टर-2, गुरुद्वारा के सामने देवेन्द्र नगर रायपुर

छठ पर्व के लिए तैयार हुआ बैकुंठधाम का सूर्यकुंड, भारत की पवित्र 51 नदियों का जल गंगा आरती के साथ होगा समाहित

विधायक रिकेश सेन ने कहा- वैशाली नगर के सभी तालाब और कुओं को रीचार्ज करने हूं कृत संकल्पित

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। बैकुंठधाम सूर्यकुंड सालों की रुकावट के बाद अब अपने भव्य रूप में आ गया है। इस बार छठ पर्व पर सूर्यकुंड बैकुंठधाम की छठा देखते ही बनती है। बैकुंठ धाम का सूर्य कुंड तालाब इस बार छठ पूजा के पूर्व अपने सुंदर और मनोहर रूप में शहरवासियों को देखने मिलेगा। बैकुंठधाम सूर्यकुंड न सिर्फ छठ पूजा, तीज नहावन सहित अन्य आवश्यक परंपराओं के निर्वहन के लिए उपयुक्त होगा बल्कि आस पास के क्षेत्र का जल स्तर बढ़ाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर सकेगा। इस तालाब को वृहद, विस्तारित और विकसित स्वरूप दिलाने में गंगा जल लेकर कसम खाने वाले जनप्रतिनिधि रिकेश सेन की महत्वपूर्ण भूमिका है।

बता दें कि विधानसभा चुनाव पूर्व भारतीय जनता पार्टी ने वैशाली नगर से पार्षद रिकेश सेन को प्रत्याशी बनाया। इसी दौरान बैकुंठ धाम में एक चुनावी सभा के दौरान गोरखपुर के सांसद व भोजपुरी अभिनेता रवि किशन की आमसभा में निगम के पूर्व सभापति राजेंद्र अरोरा ने सूर्य कुंड तालाब को विकसित और बेहतर स्वरूप दिलाने अपने जीवन के एक बड़े स्वप्न की चर्चा करते हुए बताया कि वर्षों से लंबित यही कार्य सबसे जरूरी है। उनकी बात पर प्रत्याशी रिकेश सेन ने गंगा जल लेकर सूर्य कुंड तालाब को बेहतर बनवाने की कसम ली थी।

रिकेश सेन विधानसभा चुनाव जीतकर विधायक बने और उन्होंने तत्काल निगम व जिला प्रशासन के अधिकारियों से सूर्य कुंड तालाब बनवाने पहल की तो पता लगा कि तालाब निर्माण में कोई भी शासकीय फंड नहीं दिया जा सकता। तमाम तकनीकी परेशानियां हमेशा की तरह इस संकल्प में भी मुंह बाए खड़ी थी। विधायक रिकेश सेन ने गंगा जल की कसम का हवाला देते हुए अपने गांव की पैतृक जमीन बेच दी, राजेंद्र अरोरा ने भी जहां अपनी कुछ जमीन बेची वहीं पूर्व पार्षद राजेश प्रसाद ने पत्नी के गहने बेच दिए।? निजी प्रयास से जमा राशि में बैकुंठधाम के लोगों ने भी सहयोग दिया।

सूर्य कुंड लाखों भिलाई वासियों की आस्था का प्रतीक

विधायक रिकेश सेन ने कहा कि पूर्व सभापति राजेंद्र अरोरा सहित बैकुंठधाम तालाब लाखों लोगों की आस्था का भी प्रतीक रहा है। बैकुंठ धाम के संस्थापक राजेंद्र अरोरा ने अथक प्रयास किया, कई जनप्रतिनिधि अलग अलग पदों पर आए फिर भी सूर्यकुण्ड तालाब का निर्माण कभी नहीं हो पाया क्योंकि इच्छाशक्ति की कमी थी और कहीं न कहीं कानूनी अड़चन भी रही। कई बैकुंठ धामवासियों को जेल भी जाना पड़ा, कई लोगों ने लाठियां भी खाईं मगर हर बार सूर्यकुण्ड निर्माण को पीछे धकेला जाता रहा। कुछ लोग हर बात पर याचिका लगाते रहे। एक बड़ा वर्ग ऐसा था जो चाहता रहा कि सूर्यकुण्ड तालाब न बने। कसम खाने के बाद भी लोग विश्वास नहीं करते थे कि कभी यह तालाब बन पायेगा। मैं हिंदू हूं और गंगा जल की कसम मैंने खाई थी कि तलाब को बनाना है। विधायक बनते ही पहले दिन से ही यह मेरा ड्रीम प्रोजेक्ट रहा।

कान्हा जी महाराज करेंगे गंगा आरती, सूर्यकुण्ड में बड़ा आयोजन

सोमवार की शाम को सूर्यकुण्ड गंगा घाट बैकुंठधाम में गंगा आरती का एक बड़ा आयोजन होने जा रहा है जिसमें हजारों महिलाएं आरती की थाल लिए शामिल होंगी। कैम्प-1 जलेबी चौक से कलश कुंड यात्रा में विधायक रिकेश सेन, राजेंद्र अरोरा सहित प्रमुखजन शामिल होंगे। 51 पवित्र नदियों के जल कुंड की जगह जगह आरती उतार स्वागत और अभिनन्दन किया जाएगा। हर मार्ग पर पुष्प वर्षा कर श्रद्धालु कलश कुंड पूजन भी करेंगे। विभिन्न प्रमुख मार्गों का भ्रमण करते हुए कलश कुंड यात्रा बैकुंठ धाम सूर्यकुण्ड गंगा घाट पहुंचेगी जहां कान्हा जी महाराज विशेष पंडितों की टीम के साथ कलश कुंड और भगवान सूर्य का अभिषेक करेंगे। भजन कीर्तन के साथ पूजन के इस आयोजन में सूर्य देव के अस्त होते ही कुंड जल सूर्यकुण्ड में समाहित कर भव्य गंगा आरती की जाएगी?।

51 पवित्र नदियों का जल सूर्य कुंड में होगा समाहित

विधायक रिकेश सेन ने बताया कि बैकुंठ धाम के सूर्यकुण्ड तालाब का भूमिपूजन विधायक प्रेम प्रकाश पाण्डेय ने की थी अब मां गंगा सहित 51 पवित्र नदियों का जल समाहित कर सूर्य कुंड तालाब को वास्तविक स्वरूप दिया जा रहा है। पिछले छः महीने से पवित्र 51 नदियों का जल एकत्रीकरण किया जा रहा था। गंगा नदी, ब्यास नदी, साबरी नदी, सुवर्णमुखी नदी, कर्णावती नदी, यमुना नदी, रामगंगा नदी, इंद्रावती नदी, कूनो नदी, सरस्वती नदी, शारदा नदी, बागमती नदी, ब्रह्मपुत्र नदी, शिवनाथ नदी, पंचगंगा नदी, भागीरथी नदी, स्वर्ण रेखा नदी, हसदेव नदी, कावेरी नदी, साबरमती नदी, केन नदी, गोदावरी नदी, तुंगभद्रा नदी, सरयू नदी सहित भारतवर्ष की पवित्र 51 नदियों का जल कुंड में मिला कर सोमवार को कलश कुंड यात्रा निकाली जाएगी जो कि शहर के प्रमुख मार्गों का भ्रमण करती हुई सूर्य कुंड गंगा घाट बैकुंठधाम पहुंचेगी। शाम को सूर्यकुण्ड तट पर भगवान सूर्य का अभिषेक और गंगा आरती के साथ नदियों का पवित्र जल सूर्यकुण्ड में समाहित किया जाएगा।

बीस साल पहले पानी वाले बाबा ने चलाई थी कुदाल

पूर्व विधानसभा अध्यक्ष और भिलाई नगर विधायक प्रेम प्रकाश पाण्डेय ने बैकुंठ धाम के सूर्यकुण्ड तालाब के लिए 5 कुदाल चलाई थी। पानी वाले बाबा के रूप में मशहूर प्रेम प्रकाश पाण्डेय ने छठ पूजा सहित तीज त्यौहार और समीपस्थ क्षेत्रों के वाटर लेबल को बढ़ाने इस तालाब की महति आवश्यकता को प्रतिपादित किया था। राजेंद्र अरोरा ने? बताया कि इस दौरान तात्कालीन मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह की धर्मपत्नी श्रीमती वीणा सिंह भी कार्यक्रम में 20 अगस्त 2004 को मौजूद रहीं। भूमिपूजन के बाद कार्य प्रारंभ होते ही विपक्ष की राजनीतिक हठधर्मिता के चलते कुछ जनप्रतिनिधि हाई कोर्ट से स्टे ले आए और काम रोकना पड़ा। इसके बाद जब जब सूर्य कुंड निर्माण की बात आई कोई न कोई आपत्ति अड़चन-बाधक बनी।

बैकुंठ नगर, आम्रपाली, मदर टेरेसा, 32 एकड़ का बढ़ा है वाटर लेबल

विधायक रिकेश सेन ने बताया कि तालाब के पास जो बोर हुआ है उससे लगातार पानी निकल रहा है। पूरी उम्मीद है कि यहां के वाटर लेबल और रिसोर्सेज से जल्द ही गर्मियों में आस पास के सूखे मोहल्लों तक हम सूर्यकुण्ड के माध्यम से वाटर सप्लाई भी कर सकेंगे। सूर्यकुण्ड के आसपास वाकिंग पाथ वे, ग्रास गार्डन, बाउंड्री वाल, म्यूजिकल फाउंटेन सहित अनेक सौंदर्य साधनों से डेवलप किया जाएगा। वैशाली नगर विधानसभा में कुल 27 तालाबों के साथ ही सभी कुओं को भी सूचीबद्ध कर रीचार्ज किया जा रहा है, बहुत जल्द विधानसभा के सभी तालाब और वाटर रिसोर्सेज इसी तरह विकसित कर वाटर लेबल बढ़ाया जाएगा। कई तालाबों पर आधा काम हो चुका है, कुछ में शुरू किया जा रहा है। आने वाले 2 से 3 वर्षों में सभी तालाब इसी स्वरूप में वैशाली नगर की पहचान बनेंगे।

अब तक खर्च हुए डेढ़ करोड़ रुपए

वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन ने बताया कि गंगा जल की कसम लेने के बाद सूर्यकुण्ड मेरा ड्रीम प्रोजेक्ट बना। फंड न होने के बाद भी हमने जमीन बेचा और इसके बाद सहयोग करने वाले लगातार मिलते जा रहे हैं। अब तक डेढ़ करोड़ रूपये तालाब के निर्माण में लग चुका है और लगभग 60 फीसदी सौंदर्यीकरण कार्य के बाद ही यह तालाब भव्य रूप ले चुका है। छठ पूजा के बाद इसका बचा हुआ कार्य होगा और बहुत जल्द सूर्य कुंड तालाब वैशाली नगर की एक अलग पहचान बनेगा।

खास खबर

युद्ध स्तर पर की जा रही है छठ पर्व के लिए तालाबों की सफाई

भिलाई। नगर निगम भिलाई क्षेत्र में छठ पर्व बड़े ही धूमधाम से मनाया जाता है। उसके देखते हुए आयुक्त बजरंग दुबे द्वारा सभी जोन के कमिश्नर को विशेष राशि आवंटन की गई है। जिसके माध्यम से तालाबों की साफसफाई के साथ ही तालाबों का रंग रोगन किया रहा है। इसके साथ ही जो भी आवश्यकता हो उसकी प्रतिपूर्ति की जावे। आदेश के तारतम में घाटों की सफाई एवं वहां पेंटिंग के कार्य किया जा रहे है। इसके साथ ही सभी घाटों पर किसी प्रकार की दुर्घटना ना हो इसलिए बैरिकेड भी लगाए जा रहे हैं। जिससे लोग श्रद्धापूर्वक छठ पर्व को मना सके। प्रमुख चौक चौराहों एवं तालाबों पर प्रकाश व्यवस्था भी की जा रही है। किसी प्रकार की असुविधा न हो। वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन , महापौर नीरज पाल ने सभी नागरिकों से अनुरोध की है कि श्रद्धा पूर्वक छठ पर्व को मानावे। नगर निगम भिलाई क्षेत्र एवं छत्तीसगढ़ की सुख समृद्धि हेतु ईश्वर से प्रार्थना करें। इसके साथ ही सफाई व्यवस्था का भी ध्यान रखें, हर जगह नगर निगम भिलाई द्वारा डस्टबिन की व्यवस्था की गई है। तालाबों पर भी विसर्जन हेतु विशेष कुंड बनाए गए हैं । उसका उपयोग करें व्यवस्था में सब सहयोग करें। नगर निगम भिलाई के सभी जोन के स्वास्थ्य अधिकारी वरिष्ठ स्वच्छता निरीक्षक एवं जोन स्वास्थ्य अधिकारी वीके सैमुअल अंकित सक्सेना, अनिल मिश्रा हेमंत माझी वीरेंद्र बंजारे अपने दल के साथ सभी तालाबों पर निगरानी करेंगे। तालाबों के लिए विशेष सुपरवाइजर गार्ड भी नियुक्त किया गया है जो सबका देखरेख करेगा।

राज्य स्तरीय खो-खो स्पर्धा 8 से 10 नवंबर तक

दुर्ग। पाटन ब्लॉक के ग्राम झीट राज स्तरीय खो-खो प्रतियोगिता का आयोजन 8 से 10 नवंबर तक किया जाएगा। 8 नवंबर को शाम 4 बजे उद्घाटन समारोह होगा, जिसमें मार्च पास्ट, आतिशबाजी तथा खिलाड़ियों के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति होगी। 9 नवंबर को पूरे दिन खेल का आयोजन होगा और 10 नवंबर को शाम 5 बजे कार्यक्रम का समापन होगा। इस प्रतियोगिता में दुर्ग, बालोद, राजनंदगांव, रायपुर, रायगढ़, शक्ति, बस्तर, नारायणपुर, भिलाई, कवर्धा, रायपुर, बिलासपुर, कोंदगांव, बलौदा बाजार तथा दूसरे राज्यों के बालक तथा बालिका खोखो में भाग लेने आएंगे। इस प्रतियोगिता में लगभग 400-500 से खिलाड़ी भाग लेंगे। सदस्यों ने बताया कि सरफी लाइट तथा एलईडी लाइटों से मैदान सजेगी, खेलने के लिए खोखो मैट लगाया जाएगा। स्कोरिंग के लिए डिजिटल स्क्रीन लगाई जाएगी और यूटूब चैनल पर लाइव स्ट्रीम भी की जाएगा।

गौरा-गौरी और भाईदूज पर्व मनाया

दुर्ग। धमधा ब्लॉक के ग्राम सेमरिया बोरी में दीपावली, गौरा-गौरी गोवर्धन पूजा, भाई दूज के साथ मातर का पर्व मनाया गया। यहां दीपोत्सव पर घरों और गांव के गलियों को रंगोली सजाई गई। ग्रामीणों ने गोधुली बेला में शीतला मंदिर, महावीर मंदिर, ठाकुर देव, सांहड़ा देव, चंडी मंदिर, कुआं, तालाब तथा प्राचीन पीपल पेड़ के पास एक-एक दीप जलाकर अपने व गांव की खुशहाली के लिए ग्राम देवता से प्रार्थना की। सेमरिया में 60-70 वर्षों से चली आ रही परंपरा को जीवंत जागृत बनाए रखते हुए भगवान शंकर और माता पार्वती के रूप गौरा-गौरी की शोभायात्रा निकाल दर्री तालाब में विसर्जन किया गया। धार्मिक न्यास से जुड़े गांव के मोहन उमरे ने बच्चो व युवाओं से कहा कि अज्ञान पर ज्ञान का विजय का यह पर्व शांति, सदभाव, सौहार्द का संदेश देता है। दिनेश उमरे, पुष्पा, गोपाल, भुवनेश्वरी गोस्वामी उपस्थित थे।

छठ पर्व पर तालाबों में की जाए रोशनी: महापौर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रिसाली। महापौर शशि सिन्हा ने विभागवार समीक्षा की। छठ पर्व को ध्यान में रखते हुए उन्होंने तालाबों के घाट की सफाई करने और तालाब किनारे रोशन करने निर्देश दिए है। महापौर ने विभाग प्रभारी की उपस्थिति में मुख्य बाजार स्थित मार्गो को व्यवस्थित करने के निर्देश भी दिए है।

महापौर ने राजस्व और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के साथ बैठकर कार्यो की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि दीप पर्व के बाद छठ त्यौहार है। बड़ी संख्या में लोग डूबते और ऊगते सूरज का अर्ध देने पहुचेंगे। इसे देखते हूए तालाब के घाट और आस पास खाली जगहों की बेहतर तरीके से सफाई करे। उन्होंने नेवई डेम, हिन्द नगर तालाब और कल्याणी मंदिर तालाब, रूआबांधा तालाब पर विशेष व्यवस्था के निर्देश दिए है। बैठक में एमआईसी संजू नेताम, जहीर अब्बास, अनिल देशमुख, चन्द्रप्रकाश निगम, सनीर साहू, सीमा साहू, परमेश्वर देवदास आदि उपस्थित थे।

अतिक्रमणकारियों के खिलाफ करे कार्रवाई: महापौर ने निर्देश दिए कि कृष्णा टॉकिज रोड में अधिकांश दुकानदार बढ़ाकर व्यापार कर रहे है। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि अतिक्रमण हटाकर मार्ग को सुगम बनाए। महापौर परिषद के सदस्यों ने कर संग्रहण के संबंध में भी चर्चा की और विशेष मॉनिटरिंग करने कहा। इसके अलावा महापौर परिषद के सदस्यों ने समीक्षा बैठक में नाली पर स्लैब ढालने वालों के खिलाफ भी कार्रवाई के निर्देश दिए है।

वोरा पहुंचे बराईपारा काली मंदिर

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। गोवर्धन पूजा के दिन वरिष्ठ कांग्रेसी नेता व पूर्व विधायक अरुण वोरा ने बराईपारा में प्राचीन काली मंदिर पहुंचकर दर्शन कर पूजा अर्चना की व शहरवासियों के लिए सुख-समृद्धि की कामना की।

इस अवसर पर समिति अध्यक्ष नंदू महोबिया, पार्षद भोला महोबिया, सरिता ताम्रकार, सुमन महोबिया, मुकेश महोबिया सहित मोहल्लेवासी उपस्थित थे। इस दौरान श्री वोरा ने काली मंदिर में चल रहे निर्माण कार्य का अवलोकन किया व इसे शीघ्र पूरा करवाने की बात कही।

इन हाउस मॉडल आने से मंडरा रहा बेरोजगारी का खतरा, इन्हीं समस्यओं को लेकर आधार ऑपरेटर संघ ने की मुख्यमंत्री साय से मुलाकात

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। छत्तीसगढ़ के आधार ऑपरेटर्स के सामने इन दिनों बेरोजगारी का खतरा मंडरा रहा है। छत्तीसगढ़ में लगभग 2000 आधार ऑपरेटर CHIPS एजेंसी के अंतर्गत विगत 7 वर्षों से लगातार आधार पंजीयन एवं अपडेशन के कार्य में सेवा दे रहे है साथ ही समय-समय पर शासन एवं UIDAI के दिये गये गाईडलाईन एवं निर्देशों का पालन कर रहे है। इन सभी को अब बेरोजगारी का खतरा सता रहा है। इन्हीं सब समस्याओं को लेकर आधार संघ ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से मुलाकात कर उनके समक्ष रखी। संघ ने सभी मुद्दों को विस्तार से मुख्यमंत्री से चर्चा कर उनकी रोजी रोटी पर आ रही दिक्कतों को सुलझाने की मांग रखी। सीएम विष्णुदेव साय ने गंभीरता पूर्वक संघ की समस्याओं को सूना और आधार से संबंधित हो रही दिक्कतों को जल्द से जल्द सुलझाने का आश्वासन दिया।

आधार ऑपरेटर्स ने अपने पत्र के माध्यम से कहा है कि वर्तमान UIDAI ने आधार केन्द्र को लेकर नये गाईडलाईन जारी किये हैं, जिसके अनुसार पुरे राज्य के आधार केन्द्रों को शासकीय परिसर में संचालित करते हुए In-House मॉडल में शिफ्ट किया जा रहा है। जिसमें गाईडलाईन के अनुसार आधार केन्द्रों में आधार किट (लैपटॉप फिंगर स्लैप+आईरिस फोकस लाईट+कैमरा+जीपीएस इत्यादि) एजेंसी CHiPS के द्वारा आधार केन्द्रों को मुहैया कराई जायेगी। परंतु वर्तमान में CHiPS एजेंसी के पास ऐसी कोई किट हमारी जानकारी में नहीं है, ऐसी स्थिति में जो चिप्स एजेंसी के अन्दर कार्य कर रहे है उनका कार्य बंद होने की स्थिति बन रही है, जिससे आधार ऑपरेटर बेरोजगारी की कगार में है। आधार ऑपरेटर्स का कहना है कि कुछ दिन पहले एजेंसी के द्वारा आधार केन्द्रों को In-House मॉडल में शिफ्ट करने हेतु जिला स्तर पर एग्रीमेंट कराया गया है। जिसमें आधार संचालकों ने अपना स्वयं का आधार किट जो उन्होंने खुद ही क्रय किया है। उसे नि:शुल्क एजेंसी को सौंप कर कार्य करनें हेतु अपनी सहमति प्रदान की है। परंतु इस पर एजेंसी CHIPS एवं IDAI के द्वारा किसी प्रकार कि प्रतिक्रिया नहीं दी जा रही है। एजेंसी का कहना यह है कि मशीनें एजेंसी की होगी तभी आप कार्य कर पायेंगे अन्यथा नही कर पायेंगे। राज्य के सभी आधार ऑपरेटरों का कार्य संकट की स्थिति में पहुंच गई है।

आधार में कार्य कर रहे राज्य के समस्त आधार संचालक जिनका नये एवं अनिवार्य अपडेट का कमीशन भुगतान पूर्व में दिसम्बर 2022 तक का भुगतान किया गया था परन्तु उसके बाद का भुगतान आज दिनांक तक नहीं किया गया है, चिप्स सीईओ तथा आधार प्रोजेक्ट इंचार्ज को कई बार चिप्स कार्यालय आकर निवेदन समिति द्वारा किया जा चुका है लेकिन हमें केवल आश्वाशन ही प्राप्त होता है ।

वर्तमान में सभी आधार सेंटर UIDAI की गाईडलाईन के अनुसार सरकारी परिसर में संचालित है, परन्तु हमें अपना चॉइस सेंटर को छोड़ कर जिसमे सरकार की विभन्न योजनाओं का कार्य करते है ऐसी जगह के स्थान पर किसी अन्य परिसर में कार्य करने को मजबूर है जिससे हमारी चॉइस सेंटर के कार्य प्रभावित हो रहे है आपसे निवेदन है की समस्त चॉइस सेण्टरो को छ ग शासन की अधिसूचना क्र. के तहत शासकीय परिसर घोषित कर In-House मॉडल में सम्मिलित किया जाये।

Since 1972

CROWN® - TV

Choice Of Millions

LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Maa Durga Electronics 9827183839

Rohit Electronics 94242-02866

Premier sales: 8959493000
A Leela Electronics: 9425507772
Reena Electronics: 9329132299
Shree Electronics: 7000827361

Authorised Distributers For Chhattisgarh

Trade Enquiry: 98262-52372

जल जीवन मिशन बदल रहा महिलाओं का जीवन

चिंताओं से मुक्ति, आजीविका, घर के कार्यों और परिवार को मिला ज्यादा समय

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। घर के आंगन में नल से गिर रही पानी की धार ने महिलाओं का जीवन ही बदल दिया है। जल जीवन मिशन महज हर घर तक पेयजल पहुंचाने की योजना नहीं है। यह दूरस्थ अंचलों और गांवों में महिलाओं की दिनचर्या और जीवन में बड़ा बदलाव ला रहा है। गांवों में परंपरागत रूप से घर में पेयजल और अन्य जरूरतों के लिए पानी के इंतजाम का जिम्मा महिलाओं पर ही है। घर तक पानी की पहुंच न होने के कारण उन्हें हैंडपंपो, सार्वजनिक नलों, कुंओं या अन्य स्रोतों से रोज पूरे परिवार के लिए जल संकलन करना पड़ता है।

रोजाना का यह श्रमसाध्य और समयसाध्य काम बारिश तथा भीषण गर्मी के दिनों में दुष्कर हो जाता है। कई इलाकों में गर्मियों में जलस्रोतों के सूख जाने के कारण दूर-दूर से पानी लाने की मजबूरी रहती है। परिवार के लिए पानी की व्यवस्था हर दिन का संघर्ष बन जाता है। महिलाओं के दिन के कई घंटे इसी काम में निकल जाते हैं।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के हर घर तक नल से जल पहुंचाने के सपने को पूरा करने का जल जीवन मिशन पेयजल के साथ ही महिलाओं को कई समस्याओं से निजात दिला रहा है। घर तक स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल पहुंचने से वे कई चिंताओं से मुक्त हो गई हैं। अब रोज-रोज पानी के लिए बहुत सारा श्रम और समय नहीं लगाना पड़ता। इससे उन्हें घर के दूसरे कामों, बच्चों की परवरिश, खेती-बाड़ी एवं आजीविका के अन्य कार्यों के लिए अधिक समय मिल रहा है और वे इन कार्यों पर अपना ज्यादा ध्यान व समय दे पा रही हैं। बारहों महीने घर पर ही जलापूर्ति से लगातार बारिश तथा गर्मी के दिनों में पेयजल का संकट जल जीवन मिशन ने दूर कर दिया है। गर्मियों में जलस्तर के नीचे चले जाने से तथा बरसात में लगातार बारिश से जल की गुणवत्ता प्रभावित होती है। गुणवत्ताहीन पेयजल से पेट तथा निस्तारी के लिए खराब जल के उपयोग से त्वचा संबंधी रोगों का खतरा रहता है। जल जीवन मिशन ने सेहत के इन खतरों को भी दूर कर दिया है। जल जीवन मिशन के माध्यम से हर घर में रोज प्रति व्यक्ति 55 लीटर जल की आपूर्ति की जा रही है। घर तक जल की सुलभ और पर्याप्त पहुंच से महिलाओं के 'किचन गार्डन' (बाड़ी) के लिए भी पानी मिल रहा है। इसके लिए उन्हें अब अतिरिक्त समय और श्रम नहीं लगाना पड़ रहा। इस्तेमाल किए हुए जल का सदुपयोग करते हुए इससे वे अपनी बाड़ी में लगाए सब्जी-भाजी की सिंचाई कर रही हैं। उनका यह काम परिवार के सुपोषण का द्वार भी खोल रहा है।

छत्तीसगढ़ में हर घर में नल से जल पहुंचाने के जल जीवन मिशन का 79 प्रतिशत से अधिक काम पूरा हो गया है। राज्य के 39 लाख 63 हजार 700 घरों में पाइपलाइन से पेयजल पहुंच रहा है। मिशन की शुरूआत के बाद से अब तक करीब 36 लाख 44 हजार नए घरों में नल कनेक्शन दिए गए हैं। प्रदेश में 4142 ऐसे गांव हैं जहां के शत-प्रतिशत घरों में नल से पानी पहुंच रहा है। जल जीवन मिशन के अंतर्गत 19 जिलों में 77 प्रतिशत से अधिक काम पूरे कर लिए गए हैं। हर घर तक नल से जल पहुंचाने के लिए धमतरी जिले में मिशन का 98 प्रतिशत, रायपुर में 94 प्रतिशत, राजनांदगांव में 89 प्रतिशत, जांजगीर-चांपा में 88 प्रतिशत, दुर्ग और मुंगेली में 87 प्रतिशत, बालोद में 86 प्रतिशत तथा गरियाबंद और सक्ती में 85 प्रतिशत काम पूर्ण कर लिया गया है।

मिशन के तहत बेमेतरा में 84 प्रतिशत, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई और बस्तर में 83 प्रतिशत, कबीरधाम और महासमुंद में 82 प्रतिशत, रायगढ़ में 81 प्रतिशत, कोंडागांव में 79 प्रतिशत, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही में 78 प्रतिशत तथा दंतेवाड़ा और बलौदाबाजार-भाटापारा जिले में 77 प्रतिशत से अधिक काम पूर्ण हो चुके हैं। खारे पानी, भू-जल में भारी तत्वों की मौजूदगी या जल स्तर के ज्यादा नीचे चले जाने की समस्या से जूझ रहे गांवों में स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल की आपूर्ति के लिए 71 मल्टी-विलेज योजनाओं का काम प्रगति पर है। इनके माध्यम से 3234 गांवों के दस लाख से अधिक घरों में पेयजल के लिए सतही (नदी) जल पहुंचाया जाएगा। जल जीवन मिशन के कार्यों के लिए राज्य शासन द्वारा चालू वित्तीय वर्ष के बजट में राज्यांश के रूप में 4500 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है।

खास खबर...

मुख्यमंत्री ने बलरामपुर सड़क दुर्घटना पर गहरी संवेदना व्यक्त की

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने बलरामपुर जिले में हुई सड़क दुर्घटना में मृतकों और उनके परिजनों के प्रति गहरी संवेदना प्रकट की है। उन्होंने जिला प्रशासन के अधिकारियों को दुर्घटना में मृतकों के परिजनों को तत्काल सहायता राशि उपलब्ध कराने के साथ-साथ घायलों के उपचार की व्यवस्था करने के निर्देश दिए हैं। गौरलतब है कि बलरामपुर जिले के राजपुर-कुसमी मुख्य मार्ग में ग्राम बुढ़ाबगीचा लडुआ के पास सड़क दुर्घटना में 8 लोगों की मृत्यु हो गई है।

दामाखेड़ा में कबीर पंथ के नवोदित वंशाचार्य उदितमुनि नाम साहब पर हुआ हमले की साजिश निंदनीय

बलौदाबाजार। दामाखेड़ा में कबीर आश्रम में उपद्रव एवं कबीर पंथ के धर्म गुरु प्रकाशमुनि नाम साहेब के पुत्र नवोदित वंशाचार्य उदित मुनिनाम साहेब पर हमले की साजिश को पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने निंदनीय बताया है। उन्होंने इस पूरे घटनाक्रम में उपद्रव करने वाले एवं उदित मुनिनाम साहेब पर हमले की साजिश करने वाले दोषियों पर सख्त कार्रवाई करने की बात कही। पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने कहा कि दामाखेड़ा में हुई घटना निंदनीय है। कबीर पंथ के नवोदित वंशाचार्य उदितमुनि नाम साहेब जी पर कुछ लोगों द्वारा मामूली बात को लेकर साजिश पूर्वक हमला करना और आश्रम में तोड़ फोड़ करना अत्यंत ही निंदनीय है। जो गुरु आमजनों में शांति का संदेश प्रवाह करते हैं और संत कबीरदास साहेब जी के संदेशों को प्रत्येक समाज तक पहुंचाते हैं उनके ऊपर हमला किया जाना गलत है। उन्होंने आगे कहा कि दामाखेड़ा की घटना में जिस प्रकार से उपद्रव करने और सामाजिक सौहार्द को बिगाड़ने के लिए कुछ व्यक्तियों द्वारा साजिश रची गई उसे छत्तीसगढ़ सरकार ने बहुत ही गंभीरता से लेते हुए तत्काल कार्यवाही की और सुरक्षा तैनात करने के साथ ही 11 से अधिक आरोपियों को तुरंत गिरफ्तार कर लिया है। भारतीय जनता पार्टी सर्वधर्म समभाव की भावना से हर समाज व व्यक्ति की सुरक्षा के लिए तत्पर है। सभी समाज की भावनाओं का सम्मान करना ही हमारी प्राथमिकता है और इस घटना में भी जो भी आरोपी हैं उनपर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। भावना बोहरा ने कहा कि श्री प्रकाश मुनिनाम साहब व उनके सुपुत्र नवोदित वंशाचार्य उदितमुनि नाम साहब ने हमेशा ही समाज मे एकता व सद्भावना का संदेश दिया है। महान संत कबीरदास जी के जीवन आदर्श का स्मरण करते हुए अपने संदेशों में आपसी भाईचारे तथा अपनी संस्कृति व सभ्यता को संजोने की बात जन-जन तक पहुंचाई है। ऐसे में एक धर्म गुरु के साथ ऐसी घटना करने वाले व्यक्ति केवल प्रदेश में सामाजिक सौहार्द को बिगाड़ने का प्रयास कर रहें हैं। अपने निजी लाभ के लिए लोगों की भावनाओं को ठेस पहुंचाने का प्रयास कर रहें। लेकिन छत्तीसगढ़ में भाजपा की सरकार सभी धर्मों के प्रति संवेदनशीलता से कार्य कर रही है। सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने व प्रदेश में अराजकता फैलाने वाले ऐसे व्यक्तियों पर सरकार सख्ती से कार्यवाही करेगी।

बस्तर क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण की बैठक स्थगित

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय एवं अध्यक्ष बस्तर क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण की अध्यक्षता में प्राधिकरण की शुक्रवार 08 नवम्बर 2024 को बस्तर संभाग के मुख्यालय जगदलपुर में आयोजित होने वाली बैठक अपरिहार्य कारणों से स्थगित कर दी गई है।

कांकेर में बोले धीरेन्द्र शास्त्री

नक्सलवाद से ज्यादा खतरनाक धर्मांतरण हिन्दुओं को एक करने का प्रयास

श्रीकंचनपथ न्यूज

कांकेर। बागेश्वर धाम सरकार पंडित धीरेन्द्र शास्त्री ने कांकेर में धर्मांतरण को लेकर बड़ा बयान दिया। धीरेन्द्र शास्त्री ने धर्मांतरण को नक्सलवाद से बड़ा खतरा बताया है। उन्होंने कहा कि नक्सलवाद व्यक्ति विशेष को टारगेट करते रहे है जबकि धर्मांतरण पूरे समाज को निशाना बनाकर किया जा रहा है, जिसे रोकना बेहद जरूरी है, धर्मांतरण को रोकने पंडित धीरेन्द्र शास्त्री के देश भर में पद यात्रा करने की बात भी कही है, साथ ही छत्तीसगढ़ के बस्तर और जशपुर में जल्द कथावाचन करने की बात कही है। पंडित धीरेन्द्र शास्त्री ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ के कई इलाके ऐसे हैं जहां आज भी आसानी से पहुंच नहीं सकते हैं। ऐसे इलाकों में ही भोले-भाले आदिवासियों को लालच देकर धर्मांतरण कराया गया हैय् उन्होंने कहा कि हिन्दू को छोड़कर बाकी समाज में एकजुटता है। लेकिन हिंदुओं में एकजुटता की कमी है और वो अपने हिन्दू समाज को जोड़ने के लिए ही प्रयास कर रहे हैं।

धीरेन्द्र शास्त्री ने धर्मांतरण को लेकर लगातार प्रहार करते हुए मिशनरियों के स्कूलों में बच्चों को भेजने के बजाय गुरुकुल शिक्षा पद्धति पर जोर देने की भी बात कही है। गौरतलब हो कि कल पंडित धीरेन्द्र शास्त्री के कार्यक्रम के दौरान ही धर्म परिवर्तन कर मिशनरी समाज में शामिल हो चुके 11 परिवार ने वापस हिन्दू धर्म में वापसी भी की है।

पंडित धीरेंद्र शास्त्री ने कांकेर से अपने पुराने रिश्ते का जिक्र करते हुए बताया कि जिस पहाड़ा वाली मां भुनेश्वरी के दरबार में वो महायज्ञ में शामिल होने पहुंचे हैं। वहां वो पहले भी आ चुके हैं और यहां से उनका पुराना नाता रहा है। बता दें कि धीरेन्द्र शास्त्री कई साल पहले कांकेर में लंबा समय बिता चुके हैं।

पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री और उपमुख्यमंत्री बालाजी सरकार मंदिर के भूमिपूजन कार्यक्रम में हुए शामिल

कवर्धा। बागेश्वर धाम पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री महाराज और प्रदेश के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने ग्राम रामहेपुर में बालाजी सरकार के भव्य मंदिर निर्माण के भूमिपूजन कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर विधि विधान और वैदिक मंत्रोच्चार के साथ मंदिर का भूमिपूजन कर आधारशिला रखी गई। कार्यक्रम से पहले, पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री महाराज का उपमुख्यमंत्री और जिले के नागरिकों ने पुलिस लाइन हेलीपैड में भव्य स्वागत किया, जहां उन्होंने अपने आशीर्वाद से उपस्थित श्रद्धालुओं का हृदय से अभिवादन किया।

भूमिपूजन के बाद, पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री महाराज ने हजारों श्रद्धालुओं और नागरिकों को संबोधित करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ भगवान राम का ननिहाल है और इस भूमि के प्रति हम सभी ऋणी हैं। उन्होंने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि जब वह पहली बार रायपुर आए थे, तो यहीं से उन्हें क्रांतिमई विचार मिला था। यह स्थल उनके लिए विशेष महत्व रखता है। उन्होंने श्रद्धालुओं से आग्रह किया कि वे इस आध्यात्मिक धरोहर को संजोएं और इसे आगे बढ़ाएं। धीरेंद्र शास्त्री महाराज ने कहा कि छत्तीसगढ़ न केवल एक भौगोलिक स्थल है, बल्कि यह हमारी सांस्कृतिक और धार्मिक धरोहर का अभिन्न हिस्सा है। उन्होंने यह भी बताया कि यह मंदिर केवल एक धार्मिक स्थल नहीं होगा, बल्कि एक आध्यात्मिक केंद्र के रूप में कार्य करेगा।

सभी युवा हमेशा लक्ष्य पर अपना ध्यान रखें : कलेक्टर

श्रीकंचनपथ न्यूज

सारंगढ़-बिलाईगढ़। शासकीय लोचन प्रसाद पांडेय महाविद्यालय सारंगढ़ द्वारा आयोजित एनएसएस कैंप के मुख्य अतिथि के रूप में कलेक्टर धर्मेश कुमार साहू शामिल हुए। एनएसएस के सात दिवसीय शिविर के छठवें दिवस पर कार्यक्रम की शुरुआत माता सरस्वती एवं स्वामी विवेकानंद के प्रतिमा पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलित कर किया गया।

कलेक्टर ने कहा कि युवा देश के भविष्य हैं। उनमें ऊर्जा भरपूर रूप से संचित रहता है। उन्हें कभी भी हल्के में नहीं लेना चाहिए क्योंकि उनमें किसी भी कार्य को करने की अपार क्षमता होती है। सभी युवा लक्ष्य पर अपना ध्यान हमेशा रखें।

उन्होंने कहा कि वे भी एनएसएस के छात्र हुआ करते थे एवं एनएसएस में जुड़ने से छात्रों के व्यक्तित्व विकास एक बहुत बड़ी उपलब्धि है। कलेक्टर ने पीपरदा के सात दिवसीय शिविर में छात्रों के सेवा कार्य की सराहना की। रासेयो ईकाई द्वारा चलाए जा रही नशा मुक्ति अभियान की प्रशंसा की और ग्राम पीपरदा में नशा मुक्त को शत प्रतिशत करने के लिये आह्वान किया। कलेक्टर ने कहा कि स्वयंसेवक छात्रों के द्वारा चलाए सात दिवसीय विशेष शिविर से गांववासी भी स्वच्छता के लिए जागरूक हुए है।

कार्यक्रम में कॉलेज के प्राचार्य डॉ डी आर लहरे, संपादक गोल्डी नायक, समस्त ग्रामवासी, एल.एस.पटेल , सहसराम साहू (कार्यक्रम अधिकारी श्रीराम महिला महाविद्यालय सारंगढ़), पी के शर्मा, यू आर पटेल, विद्याधर प्रधान, एनएसएस अध्यक्ष देवसागर गुरु, स्वयंसेवक राज लहरे, विनोद खांडे, जितेंद्र साहू, नीरज चौहान, खिलेश, हर्ष, मधु, तोषकुमारी सहित अन्य एनएसएस के स्वयंसेवक उपस्थित थे।

बदला मौसम का मिजाज, अब सर्दी ने भी दी दस्तक

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ मौसम का मिजाज बदल चुका है। दीपावली के साथ सर्दी में भी दस्तक दे दी है। रात के तापमान में 4 डिग्री सेल्सियस गिरावट के साथ पर 20 डिग्री सेल्सियस पर आ गया है। सुबह हल्का कोहरा भी नजर आया।

मौसम वेधशाला के मौसम विज्ञानी डॉ. एचपी चंद्रा के मुताबिक प्रदेश में बंगाल की खाड़ी से नमी का आगमन हो रहा है, जिसके कारण प्रदेश के एक दो स्थानों पर हल्की वर्षा होने अथवा गरज चमक के साथ पड़ने की संभावना है।

प्रदेश में अधिकतम और न्यूनतम तापमान में कोई विशेष परिवर्तन होने की संभावना नहीं है । वर्षा का क्षेत्र मुख्यत: दक्षिण छत्तीसगढ रहने की सम्भावना है। यानी साफ है कि बिलासपुर संभाग में वर्षा की कोई संभावना फिलहाल नहीं है।

मौसम विशेषज्ञ अब्दुल सिराज खान का कहना है कि बंगाल की खाड़ी से अभी भी पर्याप्त मात्रा में नमी आ रही है। जिस वजह से रात के तापमान में गिरावट आई है वही दिन का तापमान भी 30 डिग्री सेल्सियस के ऊपर है। दिन और रात के तापमान में 10 डिग्री सेल्सियस का अंतर होने से स्वास्थ्य पर भी इसका असर देखने को मिल सकता है। ऐसे में बदलते मौसम में छोटे बच्चों और बुजुर्गों की सेहत को लेकर सतर्क रहने की आवश्यकता है।

सर्दी का मौसम स्वास्थ्य की दृष्टि से काफी लाभदायक भी होता है। यही कारण है कि ठंड बढ़ने के साथ खेल मैदाने में खिलाड़ियों की संख्या भी बढ़ने लगी है। दिवाली के बाद अब लोग टहलने भी निकलने लगे हैं। शनिवार की सुबह कई खेल मैदान में लोग टहलते नजर आए।

अच्छी लगेगी अब सुबह की धूप

मौसम विज्ञानों का यह भी कहना है कि आने वाले दिनों में सर्दी और बढ़ेगी। सुबह की धूप अच्छी लगने लगेगी। सूर्य की किरणों से आस की बूंदे चमकने लगेगी। सभी को यह मौसम खूब भाएगा।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी रीना बाबासाहेब कंगाले से भारत निर्वाचन आयोग द्वारा नियुक्त प्रेक्षकों ने की मुलाकात

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ की मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्रीमती रीना बाबासाहेब कंगाले से आज रायपुर नगर (दक्षिण) विधानसभा उप-निर्वाचन के लिए भारत निर्वाचन आयोग द्वारा नियुक्त सामान्य प्रेक्षक जी. रेखा रानी, पुलिस प्रेक्षक करण शर्मा और व्यय प्रेक्षक सुश्री कनुप्रिया दामोर ने मुलाकात की। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय में हुई इस मुलाकात के दौरान रायपुर नगर (दक्षिण) विधानसभा उप-निर्वाचन को निर्बाध, निष्पक्ष, पारदर्शी और सुव्यवस्थित तरीके से संपन्न कराने विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई। जिला निर्वाचन अधिकारी तथा रायपुर के कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह भी इस दौरान मौजूद थे।

वेन डब्ल्यू डायरसेल्फ डेवलपमेंट गुरु व मोटिवेशनल स्पीकर। 'यॉर एरॉनियस जोन्स' उनकी बेस्टसेलर किताब है। 30 से ज्यादा किताबें लिख चुके हैं।

सपनों और आदतों में कैसे बनाएं संतुलन

खूबसूरत जिंदगी

जीवन का सबसे बड़ा असंतुलन है रोज की दिनचर्या और आदतों के साथ हमारे सुनहरे सपनों का मेल न खाना। सपनों का मर जाना अच्छा नहीं होता। सपने अस्तित्व का हिस्सा हैं, जिनसे दूर हो जाना खुद से दूर हो जाना है।

सपनों और आदतों के बीच संतुलन का अभाव काफी महीन किस्म का होता है। जलन, अवसाद, बीमारी या बेचैनी जैसे लक्षण इन्हें व्यक्त नहीं करते, बल्कि इनका अनुभव तब होता है, जब किसी अनचाहे साथी की तरह यह एहसास हमेशा आपके साथ होता है और रह-रह कर आपको कान में फुसफुसाता रहता है कि आप किसी चीज की अनदेखी कर रहे हैं।

कई बार कुछ ऐसे अनजाने काम या अनुभव होते हैं, जिन्हें आप मानते हैं कि वे आपके अस्तित्व का हिस्सा हैं। ये अस्पष्ट महसूस होते हैं, लेकिन इनको लेकर आपके मन में हमेशा छटपटाहट बनी रहती है। आप महसूस करते हैं कि यह जीवन का उच्चतम लक्ष्य है, लेकिन आपके जीवन का तरीका और जीने का कारण दोनों में असंतुलन बना रहता है।

ऐसी तराजू के बारे में सोचिये, जहां एक पलड़ा ऊपर है और एक नीचे, जिसमें एक तरफ मोटा बच्च बैठा है और दूसरी तरफ कमजोर बच्च। यहां इस तराजू को असंतुलित करने वाला मोटा बच्च आपकी रोज की दिनचर्या है, यानी जो आप काम करते हैं, जहां आप रहते हैं, जिनसे आप मिलते हैं, जो आप पढ़ते हैं, जो सिनेमा आप देखते हैं और जो बातें आप करते हैं। ऐसा नहीं है कि ये सब जो काम आप करते हैं वे बुरे की श्रेणी में आते हैं। असंतुलन बना रहता है, क्योंकि वे आपके जीवन के लिए स्वास्थ्यकर नहीं हैं। संक्षेप में कहा जाए तो वे काम बिल्कुल वैसे नहीं हैं, जैसे आप खुद को करते हुए देखना चाहते हैं।

असंतोष का यह बोझ सदा आपके कंधे पर लदा रहता है। जब नींद आती है तो ये असंतोष हमें हमारे अधूरेपन की याद दिलाता है, लेकिन जब हमारी आंख खुलती है तो फिर हम उसी भागदौड़ में शामिल हो जाते हैं, जो हमारी सुविधाजनक दिनचर्या है।

एक समय ऐसा आता है, जब आप अपने इस अभाव के भाव का इलाज करने के लिए खुद पर सख्ती करना शुरू कर देते हैं। गुस्सा और मूड बिगड़ना आपके स्वभाव का हिस्सा बन जाते हैं। ठंड लगना, सिरदर्द और नींद न आना जैसे रोग आए दिन घेरे रहते हैं और बढ़ते असंतुलन से जीवन का उत्साह खत्म होने लगता है। इसका असर परिवार के प्रति आपके व्यवहार में झलकने लगता है। बिना बात भड़कना, दूसरों के दोष निकालना आम बात हो जाती है। ध्यान देकर सोचेंगे तो पता चलेगा कि असंतुलन आपके उस सपने के पूरा न हो पाने से निकला है, जो आपने देखा था, जो धीरे-धीरे आपके हाथ से फिसलता जा रहा है।

जो चाहते हैं वही सोचें

बेहतर और उदात्त जीवन जीने की इच्छा आपकी आध्यात्मिक ऊर्जा का एक पहलू है। इस क्षेत्र में संतुलन बनाने के लिए आपको अपनी सोच की ऊर्जा को नियंत्रित करना होगा। आपकी मानसिक ऊर्जा उसी चीज को आकर्षित करती है, जो आप सोचते हैं। नकारात्मक सोच का मतलब है आप नकारात्मक घटनाओं को जीवन में न्योता दे रहे हैं। याद रखें, इस असंतुलन के लिए जहां आप जिम्मेदार हैं तो इससे निकलने के लिए आप ही काबिल हो सकते हैं। जब आप ऐसा करते हैं तो आप पाते हैं कि वास्तविक संसार की सीमाएं हैं, लेकिन आपकी कल्पनाओं का संसार सीमातीत है। इन्हीं सीमातीत कल्पनाओं से निकलता है वास्तविकता का बीज, जिसे आपको संतुलित वातावरण में रोपना है।

सोच मानसिक धनराशि है

सोच मानसिक ऊर्जा है। यह उस मुद्रा या धनराशि की तरह है, जिससे आप अपनी इच्छाओं को हासिल करते हैं। आपको सीखना होगा कि आप इस धनराशि को ऐसी सोच पर खर्च न करें, जो आप नहीं चाहते। जब आप इस तरीके से सोचना शुरू करेंगे तो प्रकृति आपके पक्ष में काम करना शुरू कर देगी और आप वही हासिल करेंगे, जो आप चाहते हैं। सोच का यह बदलाव आपको संतुलन की ओर ले जाएगा।

संतुलन की ओर लौटना

इस सिद्धांत के मूल में है, सपनों और आदतों में संतुलन बैठाना। इसकी सहज शुरुआत करने के लिए अपनी आदतों को पहचानना होगा और अपने सपनों के साथ उनका तालमेल बनाने के बारे में सोच को परिवर्तित करना होगा। तो फिर खुद पहचानिये आपके सपने क्या हैं?ऐसा क्या है आपके अंदर, जो कभी दूर गया ही नहीं? क्या है, जो रात भर आपके अंदर टिमटिमाता रहता है, आपकी सोच और सपनों के अंदर? दूसरों को ये चाहे वाहियात लगें, लेकिन यदि आप अपनी आदतों और सपनों में संतुलन हासिल करना चाहते हैं तो आपको अपनी ऊर्जा को अपने सपनों को साकार करने की दिशा में मोड़ना होगा।यदि आप संतुलन में नहीं हैं तो इसकी मुख्य वजह यह है कि आपने अपनी ऊर्जा से अपनी आदतों को इस बात की इजाजत दे रखी है कि वे आपके जीवन की दिशा को निधारित करें। इन आदतों और उनके परिणामों के लिए आपकी ऊर्जा ही पूरी तरह से जिम्मेदार है। संतुलन फिर से हासिल करने की दिशा में शुरुआती कदम के रूप में इस जागरूकता की ओर अपना ध्यान केंद्रित करें कि आपको वही मिलता है, जो आप सोचते हैं। उसी सोच के लिए समर्पित रहें, जो आप चाहते हैं, चाहे वह कितना भी असंभव या मुश्किल क्यों न हो। अपने व्यक्तिगत सपनों को एक खास महत्व, एक खास स्थान दें, ताकि तराजू पर तौलते समय वे आपकी कल्पनाओं में आपको दिखाई देते रहें और आप अपनी ऊर्जा को उनके पाने के प्रति लगाए रखें।

बहुत से लोगों के बीच होने पर भी कई बार अकेलापन महसूस होता है। सगे-संबंधी और मित्र पास होने के बावजूद भीतर की रिक्तता को नहीं भर पाते। अलग-थलग होने का एहसास हमें डराने लगता है। महान दार्शनिक लाओत्से कहते हैं, 'साधारण लोग एकांत से डरते हैं, पर ज्ञानी इसे बखूबी जानते हैं। वे अपने अकेलेपन को गले लगाते हैं और खुद को संपूर्ण बह्मांड के साथ एक महसूस करते हैं।' जब चीजें सोचे हुए के अनुसार नहीं होतीं तो हम झुंझलाने लगते हैं। पर शुरुआत में कोई भी योजना परफेक्ट नहीं होती। हम नहीं जानते कि अगले कदम पर कौन सी चुनौती सामने आएगी। इन बाधाओं से घबराना आगे बढ़ने के अवसरों को रोक देता है। लेखिका लोरी डेशेन कहती हैं, 'नई यात्र पर बढ़ाया गया हर कदम एक क्लास रूम है। याद रखें, लोग अच्छी शिक्षा पाने के लिए अधिक कीमत देते हैं।'

शादी में दिखे खूबसूरत करें ब्राइडल बेस मेकअप

अगर आप सोंचती हैं कि बेस मेकअप करने में सिंपल होता है, तो ऐसा नहीं है। यहां पर हम आपको सही ब्राइडल बेस मेकअप करने की विधि बताएंगे। किसी भी अच्छे मेकअप का राज़ उसके बेस मेकअप में छुपा होता है। अगर आप मेकअप को शुरुआती ढंक से ठीक नहीं करेंगी तो आगे चल कर आपका मेकअप बड़ा ही भद्दा दिखेगा।

अगर आप सोंचती हैं कि बेस मेकअप करने में सिंपल होता है, तो ऐसा नहीं है। यहां पर हम आपको सही ब्राइडल बेस मेकअप करने की विधि बताएंगे।

बेस मेकअप से ही आपके आगे का ब्राइडल मेकअप अच्छा होगा। आइये जानते हैं कैसे करें बेस मेकअप दुल्हनों के चेहरे के लिये!

शेड: अपने हाथों से जॉ लाइन पर फाउंडेशन का शेड लगाएं। जॉ लाइन यानी जबड़े पर ही आपको फाउंडेशन का सही शेड पता चलता है।

मॉइस्चराइजर: मेकअप शुरु करने से पहले चेहरे पर मॉइस्चराइजर जरुर लगाएं। इससे चेहरे पर दरारें नहीं दिखती और मेकअप स्मूथ लगता है।

प्राइमर: अगर आपको स्मूथ मेकअप चाहिये तो चेहरे पर प्राइमर लगाना ना भूलें। इसे मेकअप के स्टार्ट में ही लगाना चाहिये। इससे मेकअप बड़ी देर तक चेहरे पर टिका रहता है।

फाउंडेशन: चेहरे पर हर तरफ फाउंडेशन लगाएं। यह ऐसा दिखना चाहिये जैसे आपने अपने चेहरे पर पेंट किया हो।

ब्लेंड करें: अब अंडे के शेप वाला स्पॉंज यूज़ कर के चेहरे पर फाउंडेशन को ब्लेंड करें। ऐसा करने से फाउंडेशन पूरे चेहरे पर मिक्स को हर समा जाएगा।

कंसील: कंसीलर को आंखों के नीचे लगाएं जिससे उसका कालापन दूर हो जाए। इसके बाद इसे नाक को उभारने के लिये भी लगाएं। इसे होठों के किनारों पर लगाएं, जहां पर कालापन रहता है।

ब्रोंजर: इसका प्रयोग चीकबोन के नीचे करें, जिससे जॉ लाइन ठीक से शेप में आ सके।

आंखों के लिए शहद है फायदेमंद

अगर आपको आंखों में कोई समस्या है जैसे- खुजली, दर्द, सूखापन या किसी प्रकार संक्रमण तो शहद इसमें मददगार साबित हो सकता है और आपकी समस्या को दूर कर सकता है। आइए जानते हैं इस बारे में खास बातें-

पिछले कुछ समय से मोबाइल और लैपटॉप के लगातार इस्तेमाल करने से लोगों की लाइफस्टाइल बहुत ही हेल्दी हो गई है। कई लोगों को आंखों में सबसे ज्यादा समस्या होती है इसके लिए वो कई तरीके के आईड्रॉप भी डालते हैं या फिर जेल का इस्तेमाल करते हैं। लेकिन ये कितना सुरक्षित है।

अगर आपको आंखों में कोई समस्या है जैसे- खुजली, दर्द, सूखापन या किसी प्रकार संक्रमण तो शहद इसमें मददगार साबित हो सकता है और आपकी समस्या को दूर कर सकता है। आइए जानते हैं इस बारे में खास बातें-

आंखों के सूखेपन को दूर भगाने में मददगार

शहद को गुनगुने पानी में मिलाएं और उससे सोने से पहले अपनी आंखों को अच्छे से धो लें। इससे आंखों की ड्राईनेस, लालामी और खुजली आदि की समस्या दूर हो जाती है।

आंखों में फूलापन होना

अगर आपको आंखों के नीचे फूलापन हो गया हो, जैसाकि लम्बे समय तक नींद पूरी न हो पाने के कारण होता है, तो आप शहद की कुछ बूदों को वहां पर डालकर मसाज कर दें और 15 मिनट बाद धो लें।

कन्जक्टीवाईटिस का उपचार

अगर आपकी आंखें आ गई हों तो आप शहद को आंखों पर लगा सकते हैं, इससे आंखों की करकराहट दूर हो जाएगी। ऐसा कई शोध से निष्कर्ष में पता चला है।

आंखों के संक्रमण को दूर भगाने में

आंखों के संक्रमण को दूर करने में भी यह बहुत लाभदायक होता है। इसके लिए आप शहद को गुनगुने पानी में मिला लें और कॉटन बॉल से उसे आंखों के ऊपर लगाएं। इससे आंखों का संक्रमण जल्द ही सही हो जाएगा।

आंखों की मांसपेशियों को स्वस्थ बनाएं

शहद, आंखों की मांसपेशियों को स्वस्थ बनाता है। साथ ही दृष्टि को कमजोर होने से बचाता है।

ग्लूकोमा होने से बचाएं

अगर आंखों में शहद की बूंद को ड्रॉप की तरह डाला जाएं, तो ग्लूकोमा होने से बचा जा सकता है। लेकिन शहद में किसी प्रकार की मिलावट नहीं होनी चाहिए।

दृष्टि कमजोर होने से बचाएं

शहद में कई सारे एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं जो कि आंखों की नर्व को स्वस्थ बनाएं रखने में मददगार साबित हो सकते हैं। इससे निगाह में कमी नहीं आएगी, और आंखों पर लम्बे तक समय चश्मा लगाने की आवश्यकता भी नहीं पड़ेगी।

आंखों में खुजली होने पर राहत

शहद को आंख पर लगाने से खुजली में आराम मिलती है। साथ ही आंखों के नीचे पड़ने वाले रिंकल्स भी सही हो जाते हैं।

अनुष्का सेन ने समझाया फैशन का मतलब है अभिव्यक्ति

अभिनेत्री अनुष्का सेन के लिए फैशन के मायने स्टाइलिश कपड़ों से कहीं बढ़कर है। उनके हिसाब से यह खुद को व?यक?त करने का तरीका है।

नव्या नंदा के एंटरप्रेनारी और अबू संदीप के गुलाबो द्वारा आयोजित फैशन शो में अनुष्का ब्लैक एंड व्हाइट आउटफिट में नजर आईं। उन्होंने अपने लुक को फ्री-फ्लोइंग बोहेमियन श्रग से पूरा किया।

अनुष्का ने कहा, मैं एंटरप्रेनारी बाय नव्या नंदा और गुलाबो बाय अबू संदीप शोकेस के लिए पहली बार रैंप पर चलने को लेकर उत्साहित थी और इनकी आभारी भी हूं। मेरे लिए फैशन कपड़ों से इतर है। यह अपने आप को व्यक्त करने का अच्छा तरीका है यानि ये बताने का कि हम कौन हैं।

अभिनेत्री ने कहा कि वह सही अवसर और पल का इंतजार कर रही थीं।

उन्होंने कहा, यह कार्यक्रम एक सपने के सच होने जैसा था, खासकर इसलिए क्योंकि यह महिला उद्यमियों की मदद करने के लिए था। इसका एक और कारण भी था और वो था अबू जानी संदीप खोसला के लिए वॉक करना,

जो मेरे पसंदीदा डिजाइनर्स हैं।

अनुष्का ने अमिताभ बच्चन की पोती नव्या के साथ अपनी मुलाकात को एक शानदार अनुभव बताया।

मैंने पूरे दिल से उस पल को अपनाया और उस अद्भुत अवसर के लिए मैं आभारी हूं। नव्या से मिलना मेरे लिए एक शानदार अवसर था।

इस महीने की शुरुआत में अनुष्का ने सोशल मीडिया पर दुर्गा पूजा से एक शानदार फोटो शेयर की थी। वह साड़ी और बड़े झुमके में बहुत खूबसूरत लग रही थीं।

उन्होंने साड़ी में अपनी कई तस्वीरें पोस्ट कीं, जिसका शीर्षक था, दुर्गा पूजा 2024।

अनुष्का सेन एक भारतीय टेलीविजन अभिनेत्री हैं, जिन्हें बाल कलाकार के तौर पर काफी लोकप्रियता मिली। उन्हें हाल ही में दक्षिण कोरियाई पर्यटन के लिए आधिकारिक ब्रांड एंबेसडर नियुक्त किया गया है।

उन्होंने 2009 में भारतीय टेलीविजन पर यहाँ मैं घर घर खेली शो से अपने करियर की शुरुआत की। उन्होंने देवों के देव... महादेव में बाल पार्वती की भूमिका निभाई थी।

2012 में, उन्होंने टीवी शो बालवीर में मेहर के अपने किरदार से लोगों का दिल जीत लिया था।

इसके अलावा, उन्होंने खूब लड़ी मर्दानी – झांसी की रानी थी में मणिकर्णिका का किरदार निभाया।

अनुष्का वेब सीरीज दिल दोस्ती डिलेमा में भी नजर आ रही है। यह तीन दोस्तों की जिंदगी की कहानी है, जो प्राइम वीडियो पर भी स्ट्रीम हो रही है।

उन्होंने हाल ही में क्रश नामक एक अंतर्राष्ट्रीय प्रोजेक्ट पर काम किया, जिसमें उन्होंने ओलंपिक रजत पदक विजेता किम ये जी के साथ अभिनय किया है।

सुशासन से छत्तीसगढ़ ने पकड़ी विकास की रफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। इस राज्योत्सव पर छत्तीसगढ़ 24 वर्ष का हो गया। युवा छत्तीसगढ़ पिछले 10 महीने के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में सुशासन की सरकार में तेजी से प्रगति के पथ पर अग्रसर हो चला है। सड़कों, रेल लाइनों समेत अधोसंरचना के क्षेत्र में राज्य ने बीते 24 वर्षों में निरंतर प्रगति की है। रायपुर एयरपोर्ट देश के तमाम बड़े शहरों से जुड़ गया है। जगदलपुर, बिलासपुर और अंबिकापुर में हवाई सेवाएं प्रारंभ हो चुकी हैं। बस्तर और सरगुजा के आदिवासी बहुल क्षेत्रों तक सड़कों का जाल बिछ चुका है। राजधानी रायपुर के रेलवे स्टेशन का देश के आधुनिकतम रेलवे स्टेशनों में शुमार होने लगा है। गांव-गांव तक बिजली, पानी, स्कूल, अस्पताल जैसी बुनियादी सुविधाएं पहुंचाई जा चुकी हैं। राजधानी रायपुर शिक्षा का बड़ा केंद्र बनकर उभरा है। बस्तर में एनएमडीसी का स्टील प्लांट प्रारंभ हो चुका है। राज्य की कला, संस्कृति, वनोपज, हस्तशिल्प आदि की अंतरराष्ट्रीय पहचान बन चुकी है। आज से 24 साल पहले जब राज्य बना था, तब से लेकर साल भर पहले तक नक्सलवाद छत्तीसगढ़ की बड़ी समस्या थी। विष्णु देव साय की सरकार की कुशल रणनीति और प्रभावी कार्रवाई के चलते अब राज्य में नक्सल समस्या समाप्त होने की कगार पर पहुंच गई है। 13 दिसंबर को मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने के साथ ही विष्णु सरकार ने जनहित में फैसले लेने और उसे अमल में लाने को लेकर एक्शन में आ गई थी। सरकार गठन के अगले ही दिन कैबिनेट की बैठक में मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गारंटी के अनुरूप 18,12,743 जरूरतमंद परिवारों को प्रधानमंत्री आवास की स्वीकृति दी।

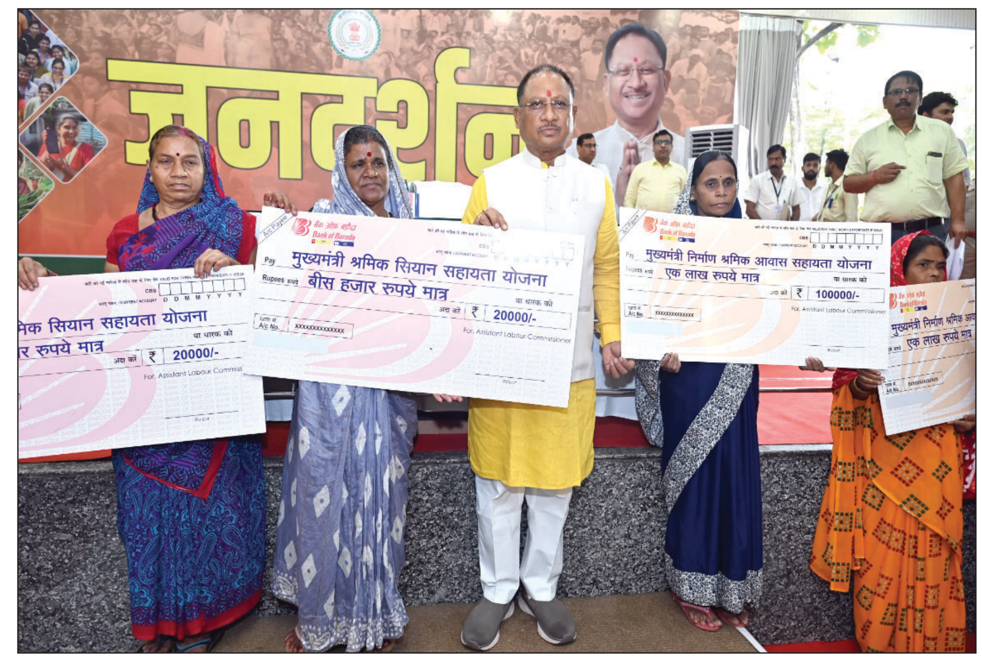

राज्य के 13 लाख किसानों को दो साल के धान का बकाया बोनस पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी के जन्मदिवस, सुशासन दिवस के अवसर 25 दिसंबर 2023 को 3176 करोड़ रुपये जारी किया। मोदी की एक और गारंटी को पूरा करते हुए सरकार ने प्रति एकड़ 21 क्विंटल के मान से 3100 रुपये के दाम पर धान की खरीदी की। 25 लाख 75 हजार किसानों को धान का समर्थन मूल्य 32 हजार करोड़ रुपया तत्काल जारी किया और 12 जनवरी 2024 को 13,320 करोड़ रुपये की अंतर राशि का भुगतान भी कर दिया। खरीफ वर्ष 2023-24 में किसानों से रिकार्ड 145 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी विष्णु देव साय की सरकार ने की। राज्य में तेंदूपत्ता संग्रहण की दर 4000 रुपये से बढ़ाकर 5500 रुपये की गई है। 12 लाख 50 हजार तेंदूपत्ता संग्राहकों को इसका लाभ मिल रहा है। संग्राहकों को चरण पादुका वितरित करने की योजना भी लागू होने जा रही है। विष्णु सरकार ने भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाते हुए अंत्योदय के लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित कर रखा है। प्रशासन में पारदर्शिता, आम जनता की सुनवाई, नारी, गरीब, किसान, युवा के लिए अवसरों के द्वार खोलने का काम इस सरकार ने किया है।

महतारी वंदन योजना

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गारंटी के अनुरूप राज्य की 70 लाख से अधिक महिलाओं के बैंक खातों में प्रति माह 1000 रुपये अंतरित किए जा रहे हैं। 10 मार्च 2024 को प्रधानमंत्री मोदी की वर्चुअल उपस्थिति में महतारी वंदन योजना का शुभारंभ किया गया था। इस योजना की 9 वीं किश्त हाल में यहां पहुंचीं राष्ट्रपति महामहिम द्रौपदी मुर्मु ने जारी की। महिलाओं की उन्नति के लिए सरकार कई कार्यक्रम चला रही है। कांग्रेस की सरकार ने महिला समूहों से रेडी टू ईट का काम छीन लिया था। मुख्यमंत्री ने उन्हें दोबारा यह काम सौंप दिया है।

युवाओं की हितैषी सरकार

नई दिल्ली के ट्राइबल यूथ हॉस्टल में सीटों की संख्या 50 से बढ़कार 185 कही गई है। यूपीएससी की तैयारी करने वाले एससी, एसटी, ओबीसी वर्ग के युवाओं को इसका लाभ मिल रहा है। पुलिस विभाग सहित अन्य शासकीय विभागों में भर्ती की अधिकतम आयु सीमा में 31 दिसंबर 2028 तक 05 वर्ष की छूट का एलान किया गया है। राज्य में विभिन्न विभागों में 7 हजार से अधिक पदों पर भर्ती की जा रही है। पीएससी घोटाले की जांच सीबीआई को सौंप दी गई है। यूपीएससी की तर्ज पर पीएससी परीक्षा को पारदर्शी बनाने के लिए यूपीएससी के पूर्व चेयरमेन प्रदीप कुमार जोशी की अध्यक्षता में आयोग का गठन किया गया है। उद्यम क्रांति योजना के तहत युवाओं को स्वरोजगार के लिए 50 प्रतिशत सब्सिडी पर ब्याज मुक्त ऋण देने की व्यवस्था की गई है। आलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने वाले राज्य के युवाओं को सरकार तीन करोड़ रुपये देगी। रजत जीतने पर दो करोड़ तथा कांस्य पदक विजेता को एक करोड़ रुपये मिलेंगे।

सुशासन का मूलमंत्र

राज्य सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों के सफल क्रियान्वयन के लिए सुशासन एवं अभिसरण विभाग का गठन किया गया है। ई समीक्षा, ई लोकसेवा गारंटी तथा डिजिटल सेक्रेटेरिएट अब सुशासन एवं अभिसरण विभाग के जिम्मे होगा। पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी के जन्मदिन 25 दिसंबर 2023, सुशासन दिवस के अवसर पर अटल मॉनीटरिंग पोर्टल का शूभारंभ किया गया। आम जनता से सीधे संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं का समाधान करने के लिए मुख्यमंत्री ने जनदर्शन कार्यक्रम प्रारंभ किया है। ई गवर्नेंस को बढ़ावा देने के लिए ई आफिस प्रणाली, मुख्यमंत्री कार्यालय ऑनलाइन पोर्टल तथा स्वागतम पोर्टल का शुभारंभ किया गया है। भ्रष्टाचार को रोकने के लिए अधिकाधिक क्षेत्रों में आईटी का उपयोग किया जा रहा है।

गरीबों की मददगार सरकार

विष्णु देव साय की सरकार ने गरीब जनता की मदद के लिए कई कार्यक्रम शुरू किए हैं। 68 लाख गरीब परिवारों को अगले 5 साल तक मुफ्त राशन देने के लिए बजट में 3400 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है। ग्रामीण घरों को नल से पानी देने के लिए जल जीवन मिशन के तहत 4500 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। अब तक 40 लाख परिवारों को नल का कनेक्शन दिया जा चुका है। दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर योजना के तहत गरीब परिवारों को प्रतिवर्ष 10 हजार रुपये की सहायता देने के लिए बजट में 500 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।

औद्योगिक विकास की पहल

राज्य में नई औद्योगिक विकास नीति 2024-2030 एक नवम्बर से लागू हो गई है। राज्य में उद्योगों को बढ़ावा एवं विस्तार देने के लिए नई औद्योगिक नीति में कई रियायती प्रावधान किए गए है। उद्योग विभाग के सिंगल विंडो सिस्टम 2.0 लागू किया गया है। इस पोर्टल पर एक बार आवेदन करने पर सभी विभागों से क्लीयरेंस मिलेगा। नया रायपुर को आईटी का हब बनाने का काम प्रारंभ किया गया है। दो आईटी कंपनियों से एमओयू किया गया है तथा उन्हें फर्निश्ड बिल्डअप एरिया भी उपलब्ध करा दिया गया है। इन्वेस्ट छत्तीसगढ़ के आयोजन के लिए 5 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। राज्य में आर्थिक विकास की गति बढ़ाने के लिए विशेषज्ञ संस्थाओं से परामर्श करने तथा देश और दुनिया में चल रहे बेस्ट प्रेक्टिसेस को राज्य में लागू करने के लिए छत्तीसगढ़ आर्थिक सलाहकार परिषद का गठन प्रस्तावित है। कोरबा, बिलासपुर इंडस्ट्रियल कॉरीडोर का निर्माण किया जा रहा है।

स्वास्थ्य के क्षेत्र में विकास

एमबीबीएस की पढ़ाई अब हिंदी माध्यम से भी होगी। स्वास्थ्य सुविधाओं में विस्तार के लिए आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के साथ ही शहीद वीरनारायण सिंह स्वास्थ्य योजना शुरू की गई है। राज्य के दो बड़े मेडिकल कालेज अस्पतालों, छत्तीसगढ़ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस बिलासपुर और मेडिकल कालेज अस्पताल रायपुर के भवन व सुविधाओं के विस्तार का काम शुरू किया गया है।

शिक्षा का कायाकल्प

राज्य में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 लागू कर दी गई है। पीएम श्री योजना में प्रदेश के 341 स्कूलों को शामिल किया गया है। इस योजना के तहत स्कूलों में बेहतर अधोसंरचना के साथ किचन गार्डन, एआई, रोबोटिक्स, आईसीटी लैब की सुविधा के साथ ग्रीन स्कूल विकसित किए जा रहे हैं। जशपुर, बस्तर, कबीरधाम, रायपुर और रायगढ़ में आईआईटी की तर्ज पर प्रौद्योगिकी संस्थानों का निर्माण किया जा रहा है। छत्तीसगढ़ी, सरगुजिहा, हल्बी, सादरी, गोंडी और कुडुख समेत 18 स्थानीय भाषा बोली में नई शिक्षा नीति के तहत प्रारंभिक शिक्षा्ा प्रदान की जा रही है। स्कूलों में न्यौता भोज की अभिनव पहल की गई है। स्कूली बच्चों के प्रदर्शन पर नजर रखने के लिए रायपुर में विद्या समीक्षा केंद्र स्थापित किया गया है। सॉफ्टवेयर एवं मोबाइल एप का विकास तथा काल सेंटर के माध्यम से निगरानी आईआईटी भिलाई के सहयोग से की जा रही है। राज्य में छत्तीसगढ़ उच्च शिक्षा मिशन की स्थापना की जाएगी। राजधानी के नालंदा परिसर की तर्ज पर प्रदेश के 13 नगरीय निकायों में लाइब्रेरी निर्माण का प्रस्ताव। 160 आईटीआई का मॉडल आईटीआई के रूप में उन्नयन किया जा रहा है।

अधोसंरचना विकास

कटघोरा-डोंगरगढ़ रेललाइन के विकास के लिए 300 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। खरसिया-नया रायपुर-परमलकसा, रावघाट-जगदलपुर, अंबिकापुर-बरवाडीह, धरमजयगढ़-पत्थलगांव-लोहारदगा रेल परियोजनाओं का डीपीआर तैयार किया जा रहा है। राज्य में सड़कों के विकास के लिए केंद्र सरकार ने 11 हजार करोड़ रुपये की मंजूरी दी है। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र की तर्ज पर छत्तीसगढ़ राज्य राजधानी क्षेत्र तथा संबंधित प्राधिकरण की स्थापना की जा रही है।

संस्कृति-परंपरा, धर्म

राज्य में श्री रामलला अयोध्या धाम दर्शन योजना संचालित की जा रही है। राज्य के पांच शक्तिपीठों के विकास के लिए बजट में 5 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। राजिम मेले का आयोजन राजिम कुंभ कल्प के रूप में किया गया। हर संभाग में एक-एक गौ अभयारण्य की स्थापना का निर्णय। राज्य के आदिवासी क्षेत्रों और अयोध्या धाम तक सीधी कनेक्टिविटी बढ़ाने की साय सरकार की पहल को भारत सरकार की हरी झंडी। बस्तर में प्रचीनकाल से चले आ रहे अनेक एतिहासिक मेलों को सरकारी संरक्षण और सहायता दी जा रही है।

भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस

साय सरकार ने विदेशी मदिरा के थोक विक्रय व भंडारण के लिए प्रचलित एफएल 10 एबी लाइसेंस की व्यवस्था समाप्त कर विनिर्माताओं से सीधे थोक क्रय करने का निर्णय लिया है। विदेशी मदिरा के क्रय की जिम्मेदारी छत्तीसगढ़ ब्रेवरेज कार्पोरेशन को दी गई है। खनिजों के परिवहन में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए साय सरकार ने ऑनलाइन ट्रांजिट पास की व्यवस्था पुन: प्रारंभ की है।

नक्सल समस्या पर अंकुश

साय के सुशासन में राज्य नक्सल समस्या से मुक्त होने की ओर अग्रसर है। सरकार ने बस्तर अंचल में सुरक्षा बल के 34 कैंप स्थापित किए है। अभी 30 नए कैंप और स्थापित करने की योजना है। राज्य स्तर पर एनआईए की तर्ज पर एसआईए का गठन किया गया है। माओवाद प्रभावित क्षेत्रों में नए कैंपों के आसपास के 5 किलोमीटर के दायरे में नियद नेल्ला नार यानी आपका अच्छा गांव योजना चलाई जा रही है। इसके तहत 17 विभागों की 53 कल्याणकारी योजनाओं और 28 सामुदायिक सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की गई है। 100 किमी मार्ग तथा 2 पुल और 52 पुलिया का निर्माण इन क्षेत्रों में किया गया है। नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में सरकारी स्कूलों में कौशल शिक्षा को एकीकृत करने की शुरूआत की गई है। 29 बंद स्कूलों को दोबारा खोला गया। माओवादी आंतक प्रभावित जिलों के विद्यार्थियों को तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा के लिए ब्याज रहित ऋण, अन्य जिलों के विद्यार्थियों को 1 प्रतिशत ब्याज पर ऋण देने का प्रावधान सरकार ने किया है।

जनता से सरोकार

साय सरकार ने जनदर्शन कार्यक्रम की शुरूआत करने के साथ ही भूमि-मकान के पंजीयन पर ऑनलाइन पेमेंट की सुविधा शुरू की गई है। भूमि संबंधी विवादों के निराकरण के लिए जिओ रिफ्रेंसिंग तकनीक को अपनाया गया है। बस्तर, सरगुजा, मध्य क्षेत्र आदिवासी विकास, अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण तथा छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण एवं अन्य पिछड़ा वर्ग विकास प्राधिकरणों का पुनर्गठन किया गया है। पर्यावरण संरक्षण के लिए एक पेड़ माँ के नाम मुहिम की शुरूआत की गई है।

विकास की नब्ज पर साय सरकार की मजबूत पकड़

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के नीति निर्धारकों को दो कारकों पर विशेष ध्यान रखना पड़ता है एक तो यहां की आदिवासी बहुल आबादी और दूसरी यहां की कृषि प्रधान अर्थव्यस्था। राज्य की नीतियां तय करते समय इन दोनों की अनदेखी नहीं की जा सकती, दोनों को ही बराबर महत्व देना पड़ता है। हाल ही में केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने छत्तीसगढ़ सहित देश में माओवादी आतंक के खात्मे के प्रति केन्द्र सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया है। केन्द्र के इस फैसले ने राज्य को समृद्धि के रास्ते में आगे जाने के संकल्प को और मजबूती दी है।

छत्तीसगढ़ में डबल इंजन की सरकार बनते ही यहां मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार ने विकसित भारत और विकसित छत्तीसगढ़ के संकल्प को लेकर काम करना शुरू कर दिया है। लगभग तीन करोड़ की आबादी वाला यह राज्य आत्मनिर्भर और विकसित भारत के निर्माण में योगदान दे रहा है। साय सरकार ने छत्तीसगढ़ की बागडोर संभालते ही राज्य के विकास की दिशा को तय करने वाले दो प्रमुख कारकों आदिवासी समुदाय और किसान दोनों पर शुरू से ही ध्यान दिया है। राज्य में लोगों को स्वच्छ और पारदर्शी प्रशासन के वायदे को लेकर आई साय सरकार आई.टी. और ए.आई आधारित प्रणाली को पूरी प्रतिबद्धता के साथ अपनाना शुरू कर दिया है।

राज्य में कृषक उन्नति योजना खेती-किसानी के लिए एक नया संबल बनी है। इसके चलते कृषि समृद्ध और किसान खुशहाल हुए हैं। राज्य में खेती-किसानी को नई ऊर्जा मिली है। राज्य में उन्नत खेती को बढ़ावा मिल रहा है। राज्य सरकार के किसान हितैषी फसलों का असर अब खेती-किसानी में साफ दिखाई देने लगा है। उन्नत कृषि यंत्रों का उपयोग खेती-किसानी में बढ़ा है। बीते खरीफ विपणन वर्ष में किसानों से 145 लाख मीट्रिक टन धान समर्थन मूल्य पर खरीदा गया है, जिसके एवज में 32 हजार करोड़ रूपए भुगतान किया गया है। छत्तीसगढ़ सरकार ने अपने संकल्प के अनुरूप राज्य के किसानों को दो साल के धान की बकाया बोनस राशि 3716 करोड़ रूपए का भुगतान किया। कृषक उन्नति योजना के अंतर्गत किसानों को धान की मूल्य की अंतर राशि के रूप में 13 हजार 320 करोड़ रूपए का भुगतान किया गया है। इस तरह किसानों को कुल मिलाकर 49 हजार करोड़ रूपए सीधे उनके बैंक खातों में अंतरित किए गए।

छत्तीसगढ़ में किसानों से धान खरीदी शुरू से ही चुनौतीपूर्ण रही है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की सरकार ने समर्थन मूल्य पर 14 नवम्बर से धान खरीदी करने जा रही है। धान उपार्जन केन्द्रों में छत्तीसगढ़ सरकार के दिशा-निर्देश के मुताबिक सभी तैयारियां की जा रही है। इस साल राज्य में बेहतर बारिश एवं अनुकूल मौसम के चलते धान के विपुल उत्पादन की उम्मीद है। इसको देखते हुए राज्य में समर्थन मूल्य पर 160 लाख मीटरिक टन धान उपार्जन अनुमानित है। राज्य में किसानों से 31 जनवरी 2025 तक धान की खरीदी की जाएगी।

राज्य के किसानों को खेती-किसानी के लिए वर्तमान खरीफसीजन में 6500 करोड़ रूपए के अल्पकालीन ऋण बिना ब्याज के दिए जा चुके हैं। अधिक से अधिक किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। यहां के किसान अब ई-नाम पोर्टल (कृषि बाजार) के माध्यम से अपने उपज का अधिकतम मूल्य प्राप्त कर सकेंगे। किसानों के हित में छत्तीसगढ़ सरकार ने एक महत्वपूर्ण फैसला लेते हुए छत्तीसगढ़ कृषि उपज मंडी अधिनियम में संशोधन किया है। इसके तहत अन्य प्रदेश के मंडी बोर्ड अथवा समिति के एकल पंजीयन अथवा अनुज्ञप्तिधारी व्यापारी एवं प्रसंस्करणकर्ता, राज्य के किसानों से उनकी उपज खरीद सकेंगे, इससे उत्पादक किसानों को लाभ होगा। किसानों को उन्हें पंजीयन की जरूरत नहीं होगी।

राज्य के बस्तर और अन्य हिस्सों में माओवादी आतंक को समाप्त करने के लिए सख्ती से कदम उठाए गए हैं। इसमें केन्द्र और राज्य सरकार आपसी तालमेल बनाए हुए हैं। माओवादी आतंक भी अब कुछ ही क्षेत्रों में सिमट कर रह गया है। यहां नियद नेल्लानार जैसी नवाचारी योजना से लोगों का सरकार के प्रति फिर से विश्वास लौट रहा है। माओवादी आतंक से प्रभावित क्षेत्रों में सुरक्षा कैम्प के आस-पास के दायरे में लोगों की मूलभूत सुविधाओं के साथ-साथ केन्द्र और राज्य सरकार के शासकीय योजनाओं का लाभ दिलाया जा रहा हैं। माओवादी आतंक से प्रभावित जिलों में युवाओं को तकनीकी व्यवासायिक पाठ्यक्रम में पढ़ाई के लिए ब्याज मुक्त ऋण की सुविधा दी जा रही हैं। इस पहल से आदिवासी समुदाय की युवाओं को आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा।

वनवासियों की आय बढ़ाने के लिए वनोपज के संग्रहण और प्रसंस्करण पर सरकार विशेष ध्यान दे रही हैं। लघु वनोपज की खरीदी समर्थन मूल्य पर हो रही है। इन लघु वनोपजों का वनधन केन्द्रों में प्रसंस्करण भी किया जा रहा है। वनवासियों को तेन्दूपत्ता पारिश्रमिक भी बढ़ाकर 5500 रूपए प्रति मानक बोरा किया गया है। महिलाओं के सशक्तीकरण के लिए महतारी वंदन योजना में 70 लाख महिलाओं को हर महीने एक-एक हजार रूपए की राशि उनके बैंक खाते में सीधे अंतरित की जा रही है। अब तक इसकी नौ किस्त जारी की जा चुकी है।

प्रदेश में नई शिक्षा नीति भी लागू कर दी गई है। राज्य में मातृभाषा में बच्चों को शिक्षा देने के लिए नए पाठ्यक्रम तैयार किए जा रहे हैं। जनजातीय समुदाय के बच्चों के लिए बेहतर शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए 75 एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय संचालित किए जा रहे हैं। माओवादी प्रभावित क्षेत्र के बच्चों के लिए 15 प्रयास आवासीय विद्यालय का संचालन किया जा रहा है। इन विद्यालयों में मेधावी विद्यार्थियों को अखिल भारतीय मेडिकल और इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा की तैयारी कराई जा रही हैं। नई दिल्ली में संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षा की तैयारी के लिए संचालित यूथ हॉस्टल में सीटों की संख्या 50 से बढ़ाकर 185 कर दी गई है।

खास खबर

केशकाल में मोबाइल की दुकान में लाखों की चोरी, 24 घंटे के भीतर दोनों आरोपी गिरफ्तार

कोंडागांव। जिले के केशकाल थाना क्षेत्र में मोबाइल दुकान में हुई लाखों की चोरी का खुलासा पुलिस ने 24 घंटे के भीतर कर दिया। आरोपियों के कब्जे से सभी चोरी किए गए मोबाइल और नकदी बरामद कर लिए गए हैं। जिला कप्तान के निर्देश पर गठित टीम द्वारा केशकाल पुलिस और सायबर सेल की संयुक्त कार्यवाही से इस मामले में तेजी से कार्रवाई की गई।

प्रकरण में केशकाल थाना अंतर्गत बोरगांव निवासी प्रार्थी जितेंद्र गांधी ने 2 नवंबर को शिकायत दर्ज कराई कि 1 और 2 नवंबर की मध्यरात्रि में अज्ञात चोर ने उनकी मोबाइल दुकान से विभिन्न ब्रांड के मोबाइल और करीब 20,000 रुपए नकदी चोरी कर ली है। शिकायत मिलने पर थाना स्टाफ ने घटनास्थल का मुआयना कर अपराध पंजीबद्ध किया और वरिष्ठ अधिकारियों को घटना की जानकारी दी। अज्ञात चोरों की पहचान के लिए थाना प्रभारी निरीक्षक विकास बघेल और जिला सायबर सेल के प्रभारी अधिकारी की टीम ने तकनीकी संसाधनों की सहायता से तफ्तीश शुरू की।

संयुक्त टीम ने सीसीटीवी फुटेज और चोरी किए गए मोबाइल की ढ्ढरूश्वढ्ढ नंबरों का उपयोग करते हुए आरोपियों का सुराग पाया। जांच के दौरान पता चला कि संदेही सोनू उर्फ गोपाल यादव, जो पिछले तीन वर्षों से केशकाल में किराए के मकान में रह रहा था, इस घटना में शामिल है। घेराबंदी कर उसे हिरासत में लिया गया और पूछताछ के बाद उसने अपने साथी संतोष विश्वकर्मा के साथ मिलकर चोरी करने की बात कबूल की। पुलिस ने सोनू यादव से 3 मोबाइल और नकद 6708 रुपए बरामद किए, वहीं संतोष विश्वकर्मा के पास से 3 मोबाइल और नकद 10860 रुपए मिले। कुल मिलाकर 1,60,728 रुपए की संपत्ति बरामद की गई है। दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

हादसे में मौत से भड़का आक्रोश, भीड़ ने जलाया ट्रेलर देर रात थाने के सामने चक्काजाम

रायपुर। राजधानी रायपुर के तिल्दा नेवरा थाने क्षेत्र में एक युवक की सड़क हादसे में मौत हो गई। इसके बाद गुस्साई भीड़ ने एक ट्रेलर को आग के हवाले कर दिया। घटना के बाद करीब 200 ग्रामीणों ने तिल्दा नेवरा थाने का घेराव कर दिया है। फिलहाल मौके पर पुलिस लोगों को शांत करने में जुटी है।

बताया जा रहा है कि युवक अपनी बाइक से कोटा रोड सारथी ट्रेडर्स के पास से गुजर रहा था। तभी अचानक एक कार से टकरा गया और सड़क के किनारे खड़ी ट्रेलर से जा टकराया। इस हादसे में युवक की मौके पर ही मौत हो गई। इस घटना की सूचना मिलते ही आसपास के लोग इकट्ठा हो गए। फिर भीड़ नारेबाजी करने लगी। मौके पर भारी संख्या में पुलिस बल भी तैनात किया गया है। इस घटना की सूचना मिलते ही पुलिस अफसर भी मौके पर पहुंचकर लोगों को शांत करने में जुटे हुए हैं।

सुपेला हत्याकांड, 24 घंटे के भीतर पकड़ाए आरोपी, तीन गिरफ्तार

पुलिस से बचने भाग रहे थे बदमाश, कुम्हारी में पकड़ाए

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। लक्ष्मीनगर सुपेला में शनिवार की शाम को हुई हत्या के मामले में पुलिस ने 24 घंटों के भीतर ही आरोपियों को दबोच लिया है। घटना में कुल चार आरोपी ट्रेस हुए हैं जिनमें से मुख्य आरोपी सहित तीन को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। वहीं एक अन्य फरार है जिसकी तलाश की जा रही है। खासबात यह है कि मुख्य आरोपी नाबालिग है जिसने तैश में आकर इस घटना को अंजाम दिया। पुलिस ने इस मामले में मुख्य आरोपी नाबालिग के साथ राहुलवा और रोशन यादव को गिरफ्तार कर लिया है। एक अन्य आरोपी की तलाश जारी है।

बता दें सुपेला थाना क्षेत्र के अंतर्गत लक्ष्मी नगर पुराने देशी शराब भट्टी के पास शाम 6:30 बजे धीरज महानंद उर्फ टकला की हत्या कर दी गई थी। धीरज महानंद हत्या के मामले में बिलासपुर जेल से छूटकर आया था। बताया जा रहा है कि गौरा-गौरी पूजा के दौरान धीरज महानंद (25) की हत्या उसके ही दोस्तों ने मिलकर की। धीरज को लहूलुहान हालत में शास्त्री अस्पताल पहुंचाया गया लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। इस मामले में पुलिस ने ने अपराध दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू की।

कुम्हारी से पकड़ाए आरोपी

हत्याकांड के बाद सुपेला थाने की पुलिस व एआईसीसी की टीम लगातार आरोपियों की पतासाजी कर रही थी। सीसी टीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान हुई। पुलिस से बचने के लिए आरोपी लगातार छिप रहे थे। इनपुट के आधार पर पुलिस ने पीछा किया आरोपियों को कुम्हारी से गिरफ्तार किया। पुलिस ने राहुलवा, रोशन यादव व नाबालिग आरोपी को दबोचा। पूछताछ में पता चला है कि इस हत्याकांड में एक और युवक शामिल है उसकी भी तलाश की जा रही है।

तैश में आकर दिया वारदात को अंजाम

इस पूरी हत्याकांड के पीछे की वजह गुस्सा व आवेश है। एएसपी सुखनंदन राठौर ने बताया कि मृतक व आरोपी सभी दोस्त हैं। गौरागौरी के दिन लगभग 4 बजे धीरज महानंद का विवाद हुआ था। इसके बाद रोशन यादव अपनी स्कूटी पर धीरज को बिठाकर राहुलवा और एक नाबालिग के पास ले गया। यहां इनके बीच में विवाद शुरू हो गया। धीरज कहने लगा कि मैं किसी को कुछ नहीं समझता। अपने पार्टनर को भी कुछ नहीं समझा तो तुम लोग क्या हो। इसके बाद नाबालिग सहित तीनों तैश में आ गए। नाबालिग आरोपी ने चाकू से ताबड़तोड़ वार कर दिया जिससे धीरज उर्फ टकला की मौत हो गई।

मृतक के खिलाफ सुपेला में दर्ज हैं दो मामले

एएसपी सुखनंदन राठौर ने बताया कि मृतक धीरज महानंद उर्फ टकला के खिलाफ सुपेला थाना में दो प्रकरण दर्ज हैं। बिलासपुर में एक हत्या के बाद से वह जेल में बंद था। दो माह पहले ही वह जेल से छूटकर भिलाई पहुंचा था। भिलाई पहुंचने के बाद दंबगई दिखाने लगा था। शनिवार को भी विवाद के बाद इसके दोस्तों ने इसका मर्डर कर दिया है। इस मामले में एक और आरोपी चिह्नित किया गया है जिसकी जल्द गिरफ्तारी की जाएगी।

भिलाई पावर हाउस रेलवे स्टेशन पर हादसा, ट्रेन से उतरते समय महिला का पैर फिसला, मौत

■ रविवार सुबह की घटना, बेटे से मिलकर वापस भिलाई लौट रही थी महिला

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। रविवार की सुबह भिलाई पावर हाउस रेलवे स्टेशन में दर्दनाक हादसे में एक महिला की मौत हो गई। महिला अपने बेटे के पास विशाखापट्नम गई थी और रविवार की सुबह विशाखापट्नम दुर्ग एक्सप्रेस से वापस लौटी। भिलाई पावर हाउस रेलवे स्टेशन पर सुबह ट्रेन रुकने के बाद जब महिला उतरने लगी तभी ट्रेन चल पड़ी और पैर फिसलने के बाद वह ट्रेन के नीचे आ गई। कटने से महिला की मौत हो गई। फिलहाल मामले में जीआरपी ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

मिली जानकारी के अनुसार मृतक महिला की पहचान गौतम नगर खुर्सीपार निवासी डॉली साहू के रूप में हुई है। गौतम नगर में वह अपनी बेटी के साथ रहती थी। वहीं उसका बेटा विशाखापट्नम में नौकरी करता है। जीआरपी को मृतक महिला की बेटी ने बताया कि उसकी मां कुछ दिन पहले ही अपने बेटे के पास गई थी। शनिवार की रात को वह विशाखापट्तम-दुर्ग एक्सप्रेस भिलाई के लिए रवाना हुई। जीआरपी ने बताया कि रविवार की सुबह लगभग 6 बजे ट्रेन जब पावर हाउस पहुंची तो महिला ने उतरने में देर की। जब वह उतरने लगी तभी ट्रेन चल पड़ी और उसका पैर फिसला जिससे वह सीधे पटरियों पर गिर पड़ी। पहियो के नीचे आने से उसका शरीर कट गया और मौके पर ही उसकी मौत हो गई।

रूपाणाधाम प्लांट में मजदूर ने की आत्महत्या, सीसीटीवी खंगालने के साथ आगे की कार्रवाई में जुटी पुलिस

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में स्थित श्री रूपाणाधाम प्लांट में बीती रात एक मजदूर के लोहा गलाने वाले लेडर में कूदकर आत्महत्या कर लेने का मामला सामने आया है। घटना की जानकारी मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस प्लांट में लगे सीसीटीवी फुटेज खंगालते हुए मृतक के साथियों से पूछताछ कर रही है। उक्त मामला पूंजीपथरा थाना क्षेत्र का है।

मिली जानकारी के अनुसार पूंजीपथरा थाना क्षेत्र में स्थित श्री रूपाणाधाम स्टील प्लांट में काम करने वाला मजदूर सुरेन्द्र चैहान 21 साल जो कि धरमजयगढ़ क्षेत्र के ग्राम क्रोंधा का रहने वाला था जो बीती रात रोजाना की भांति काम करने प्लांट गया हुआ था और इस दौरान अचानक एसएमएस फर्निश के लोहा गलाने वाले लेडर में छलांग लगाकर आत्महत्या कर लिया। अचानक घटी इस घटना के बाद मौके पर उपस्थित मजदूरों में हडकंप की स्थिति निर्मित हो गई और फिर उन्होंने इस घटना की जानकारी पूंजीपथरा पुलिस को दे दी।

सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही पुलिस

पुलिस की प्रारंभिक जांच में युवक के मौत के कारणों का पता नही चल पाया है। बताया जा रहा है कि पूंजीपथरा पुलिस मृतक के साथियों के अलावा प्लांट के अन्य कर्मचारियों से पूछताछ करने हुए सीसीटीवी फुटेज को खंगाला जा रहा है। विदित रहे कि कुछ दिनों पहले ही श्री रूपाणाधाम स्टील प्लांट में मामूली विवाद के चलते एक मजदूर की हत्या उसके साथी के द्वारा ही कर देने का मामला सामने आया था जिसमें पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार भी कर लिया है।

सिंघल प्लांट में भी हो चुकी है ऐसी घटना

बताया जा रहा है कि पूंजीपथरा थाना क्षेत्र में स्थित सिंघल प्लांट में बीते दिनों एक मजदूर ने लोहा गलाने वाले लेडर में कुदकर आत्महत्या करने का मामला सामने आया था। इस क्षेत्र में लगातार हो रही इस तरह की घटना को अब लोगों में चर्चा का दौर भी शुरू हो चुका है।

अधजली लाश की हुई पहचान, फोरेंसिक एक्सपर्ट डॉग स्क्वाड की मदद से जांच में जुटी पुलिस

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। ग्राम हुंकरा की पहाड़ी से लगे इलाके में मिली अधजली लाश की पहचान उसके साइकिल के माध्यम से हो गई है। मृतक की शिनाख्त कोरबा जिला मुख्यालय में समग्र शिक्षा कार्यालय में पदस्थ एडीपीओ कटघोरा निवास के.जी. भारद्वाज के पुत्र अभिषेक के रूप में हुई है। अभिषेक 12 वीं का छात्र था।

शनिवार की रात कथित तौर पर दोस्त के पास जाने की बात कहकर घर से साइकिल लेकर निकला था। फिर लौटा नहीं। मृतक अभिषेक भारद्वाज का इकलौता पुत्र था। इस घटना ने भारद्वाज परिवार को शोक में डुबा दिया है। परिजनों सहित सहकर्मियों, ग्रामवासियों में शोक व्याप्त है। बता दें कि बीते रविवार सुबह कटघोरा थाना अंतर्गत ग्राम हुंकरा की पहाड़ी के पास एक अज्ञात युवक की अधजली लाश मिली थी। कटघोरा पुलिस को मौके से एक जोड़ी चप्पल व गियर वाली साइकिल मिली।

साइकिल पर दुकान का नाम लगा था। जिससे संपर्क पर साइकिल की फ्रेम नम्बर के आधार पर खरीदार का नाम हासिल किया गया। उसके बाद घर पहुंचकर जानकारी लेने पर अभिषेक के घर से गायब रहने की बात पता चली।

साइकिल व चप्पल को परिजन पहचान गए। घटनास्थल पर जांच में फोरेंसिक एक्सपर्ट और डॉग स्क्वाड की भी मदद ली गई। मिले साक्ष्यों और तथ्यों के आधार पर प्रारम्भिक तौर पर मामला आत्मदाह का प्रतीत हो रहा है। परिजनों की माने तो रोज की तरह किसी दोस्त के साथ घूमने जाने के नाम से निकला हुआ था। लेकिन काफी समय बीत जाने के बाद खोजबीन भी की गई। लेकिन पता नही चला। किसी घटना से भी इंकार नहीं किया जा रहा है। मौत की वजह जानने के लिए पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार पुलिस व परिजनों को है।

बुलेट फाइनेंस हो गई और पता भी नहीं चला, घर पहुंची आरसी तो हैरान रह गया शख्स

■ बाइक फइनेंस कराकर बेचने वाले गैंग के दो आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुर। छत्तीसगढ़ में फइनेंस गैंग का घोटाला सामने आया है। दस्तावेज का दुरुपयोग कर गाड़िया फइनेंस पर लेना और उसे दूसरों को बेच देना इस गैंग का काम है। जशपुर जिले में ऐसे ही एक गैंग का पर्दाफाश हुआ है। जिले के कोतबा पुलिस ने दूसरे के नाम पर गाड़िया फइनेंस कर बेचकर मुनाफा कमाने वाले दो शातिरों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से 10 बुलेट व एक स्कूटी बरामद किया गया। इस गिरोह के और भी सदस्य हैं जिनकी पुलिस तलाश कर रही है। रविवार को जशपुर पुलिस ने इस मामले का खुलासा किया है।

दरअसल इस संबंध में कोतबा निवासी आशीष शर्मा (26) ने कोतबा चौकी पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। उसने अपनी शिकायत में बताया कि उसे 12 अगस्त 2024 को कोरियर के माध्यम से एक आरसी बुक मिला। जिसमें बुलेट वाहन का रजिस्ट्रेशन छ्त्र 29 ्त्र 1344 का रजिस्ट्रेशन दिनांक 06.02.2024 एवं चेचिस नंबर, इंजन नंबर इत्यादि अंकित है। उक्त वाहन को इंडसइंड बैंक द्वारा फइनेंस किया गया। आरसी बुक देखकर आशीष शर्मा हैरान रह गया क्योंकि उसने ऐसा कोई वाहन फइनेंस नहीं कराया। आशीष ने पुलिस को बताया कि उसके द्वारा दस्तावेज की छायाप्रति को स्कूटी के डिक्की में रखा गया था जिसे किसी चुरा लिया और उसका दुरूपयोग कर वाहन फइनेंस करा लिया। इस मामले में पुलिस ने धारा 420, 34 के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

ठगी का गंभीर प्रकरण सामने आने पर पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अनिल सोनी द्वारा एसडीओपी पत्थलगांव ध्रुवेश कुमार जायसवाल एवं चौकी प्रभारी कोतबा को बारीकी से जांच कर आरोपियों की गिरफ्तारी के निर्देश दिये गये थे। सायबर सेल को मुखबिर से पता चला कि ऐसे फर्जी काम खोरमा थाना प्रतापपुर निवासी शाहरुख खान करता है और वह अंबिकापुर में मौजूद है। सूचना के आधार पर पुलिस ने अंबिकापुर से शाहरूख खान को हिरासत में लिया।

कोतबा चौकी लाने के बाद उससे पूछताछ की गई। पूछताछ में उसने बताया कि वाहन को वसीम अकरम उर्फ चम्पा से फर्जी दस्तावेज तैयार कराकर एक व्यक्ति को विक्रय किया था। साथ ही और भी वाहन इसी प्रकार फइनेंस कराने के बाद बेच दिए। इससे मिली रकम आपस में बांटने की बात भी बताई। पुलिस ने आरोपी शाहरूख खान के निशानदेही पर 1 बुलेट जब्त किया। इसके बाद पुलिस ने अंबिकापुर से अलग-अलग 4 व्यक्तियों से 8 बुलेट वाहन 1 नग स्कूटी वाहन एवं सूरजपुर से 2 व्यक्तियों से 2 बुलेट को जब्त कर चौकी कोतबा लाया गया है। पुलिस टीम ने इस प्रकरण के दूसरे आरोपी वसीम खान को भी गिरफ्तार कर लिया है।

इस पूरी कार्रवाई चौकी प्रभारी कोतबा उप निरीक्षक राकेश सिंह, आरक्षक उपेन्द्र सिंह, बूटा सिंह, प्रवीण खलखो और अनुप भगत का योगदान रहा है। पुलिस अधीक्षक जशपुर शशि मोहन सिंह ने बताया कि दस्तावेज का धोखे से दुरूपयोग कर, कूटरचना कर अनेकों वाहन का फायनेंस कराकर विक्रय करने के मामले में शाहरूख खान एवं वसीम अकरम को गिरफ्तार किया गया है, इनके कब्जे से 10 बुलेट वाहन एवं 01 स्कूटी वाहन जप्त किया गया है। प्रकरण में अन्य आरोपियों की संलिप्तता पाई गई है, उन्हें भी पुलिस टीम द्वारा जल्द गिरफ्तार किया जाएगा।

चाकू अड़ाकर भाजयुमो नेता से मोबाइल-कैश की लूट, दो दोस्तों पर जानलेवा हमला

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। भारतीय जनता युवा मोर्चा नेता के साथ लूट हुई है। आरोपियों ने नेता के दो दोस्तों पर चाकू से हमला भी किया है। हमले में एक दोस्त के पैर और दूसरे के हाथ में गंभीर चोट आई है। चाकू हाथ से आर-पार हो गया है। दोनों का इलाज रायपुर एम्स में चल रहा है।

मामला डीडी नगर थाना क्षेत्र का है। पीड़ित आकाश तिवारी क्च्छ्ठ्ठरू के जांजगीर चांपा ग्रामीण उपाध्यक्ष हैं। 1 नवंबर की रात करीब 9 बजे वो अपने दो दोस्तों प्रशांत पांडेय और शिवम दीवान के साथ चंगोराभाठा स्थित अपने ऑफिस पर खड़े थे। इसी बीच स्कूटी सवार तीन युवक आकाश के पास आए और चाकू की नोंक पर 10 हजार रुपए और मोबाइल लूटकर चले गए। वारदात के बाद आकाश और उनके दोनों दोस्तों ने आरोपियों का पीछा किया। रिंग रोड के पास एक बार फिर दोनों पक्षों का आमना-सामना हुआ। इस दौरान एक आरोपी ने चाकू निकालकर आकाश के दोनों दोस्तों पर हमला कर दिया। इस हमले में शिवम दीवान के हाथ के ऊपरी हिस्से से चाकू से वार किया गया है। वहीं प्रशांत पांडेय के पैरों में गंभीर चोट आई हैं। हमला करने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। हालांकि इस दौरान एक बदमाश का मोबाइल जमीन पर गिर गया था, जिसे पुलिस ने जब्त किया है। अब क्राइम स्पॉट से मिले मोबाइल से ही पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है।

छत्तीसगढ़ राज्योत्सव

2024
दिनांक 04 से 06 नवम्बर

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

श्री विष्णु देव साय
मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस "राज्योत्सव"

उद्घाटन कार्यक्रम

04 नवम्बर, 2024
राज्योत्सव मैदान, नवा रायपुर अटल नगर

मुख्य अतिथि
डॉ. मोहन यादव
माननीय मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

अध्यक्ष
श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

अतिविशिष्ट अतिथि
डॉ. रमन सिंह
माननीय अध्यक्ष, विधानसभा छत्तीसगढ़

विशिष्ट अतिथि

श्री अरूण साव
माननीय उप मुख्यमंत्री
छत्तीसगढ़

श्री विजय शर्मा
माननीय उप मुख्यमंत्री
छत्तीसगढ़

श्री रामविचार नेताम, माननीय मंत्री
श्री दयाल दास बघेल, माननीय मंत्री
श्री केदार कश्यप, माननीय मंत्री
श्री लखन लाल देवांगन, माननीय मंत्री
श्री श्याम बिहारी जायसवाल, माननीय मंत्री
श्री ओ.पी. चौधरी, माननीय मंत्री
श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े, माननीय मंत्री
श्री टंकराम वर्मा, माननीय मंत्री
डॉ. चरणदास महंत, माननीय नेता प्रतिपक्ष
श्री बृजमोहन अग्रवाल, माननीय सांसद
श्री राजेश मूणत, माननीय विधायक
श्री पुरन्दर मिश्रा, माननीय विधायक
श्री मोती लाल साहू, माननीय विधायक
श्री अनुज शर्मा, माननीय विधायक
श्री गुरू खुशवंत साहेब, माननीय विधायक
श्री इंद्र कुमार साहू, माननीय विधायक

एवं

समस्त माननीय सांसद, विधायक, निगम, मंडल, आयोग, जिला पंचायत के माननीय अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं सदस्यगण, माननीय महापौर की गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित है।

आप सादर आमंत्रित हैं...

RO-42009/85

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से जुड़ने के लिए QR CODE स्कैन करें।

हमने बनाया है, हम ही सँवारेंगे

Visit us : ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO DPRChhattisgarh DPRChhattisgarh www.dprcg.gov.in | छत्तीसगढ़ जनसंपर्क

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950